2 गज दूरी
मास्क जरूरी

KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-5 | अंक-4 नवम्बर-2021 पृष्ठ-28 मूल्य : ₹ 20.00

जयपुर स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

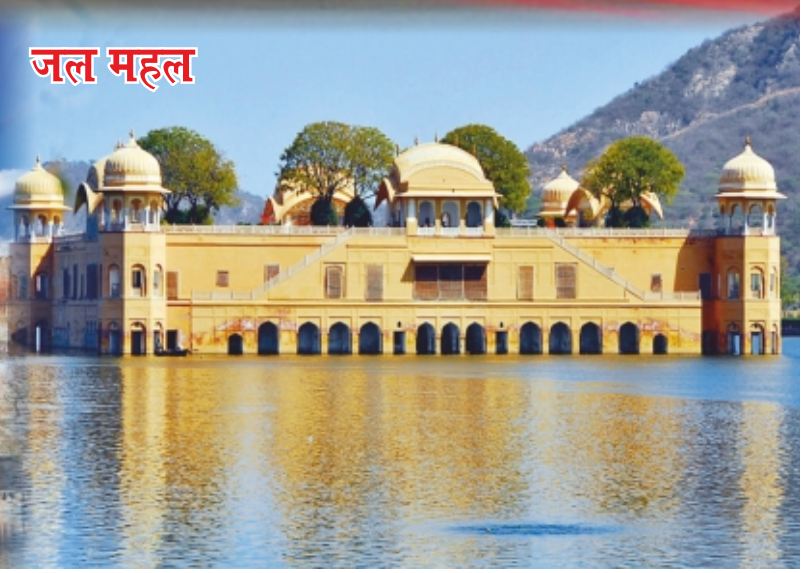

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

Raj Blocks
Since-1977
OFFSET PRINTERS

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, Jaipur
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

PRESS
B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

Congratulations

डॉ. पर्व कुमावत

पुत्र डॉ. पी.एम. कुमावत-रेणु कुमावत,
उज्जैन निवासी के
MBBS करके डॉक्टर बनने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

नाना-नानी : भवानी शंकर-विद्या देवी वर्मा (तोंदवाल)
मामा-मामी : रमेश-भारती तोंदवाल
भैया-भाभी : आभास-कृति एवं अभिनन्दन-रेणुका

60, जय जवान कॉलोनी-II, टोंक रोड, जयपुर-302018

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428 एवं खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

हमारे समाज के अधिकतर परिवारों में पहले की तुलना में सुख-सुविधाओं व आराम की दृष्टि से सभी चीजें उपलब्ध है तथा ज्यादा संपन्न होने के बावजूद क्या हम प्रसन्न है? यदि नहीं तो प्रसन्नता का मापदंड क्या है? क्या पैसों की बहार का आना खुशी का पैमाना है? प्रचलित मान्यता तो ये कहती है कि यदि व्यक्ति स्वस्थ व समृद्ध है तो वह सुखी है। आज अधिकतर परिवारों में आपस के रिश्तों में बनावटीपन होने के कारण समरसता का भाव नहीं रहा है इससे आपसी रिश्तों में दरारे आ रही है। बुजुर्गों द्वारा परिवार के सदस्यों के मध्य समरसता लाने की आवश्यकता है। पीढ़ी दर पीढ़ी वैचारिक व रहन-सहन के परिवर्तनों को जानकर परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बैठाने पर ही समरसता बनेगी। इस महत्वपूर्ण कार्य में परिवार के सभी सदस्यों का योगदान होना चाहिए। ताकि पारिवारिक रिश्ते प्रगाढ़ हो और मिठास भरपुर हो।

रिश्तों की अनंत ऊर्जा को समझना चाहिए, आपसी व्यवहार के कारण ही ऊर्जा का आदान-प्रदान होता है। अनंत ऊर्जा के बैंक में जितनी धनात्मक ऊर्जा को संचित करेंगे, उतने ही संबंध प्रगाढ़ होंगे, उतनी ही हमें प्रसन्नता होगी। परिवार में उत्पन्न नई समस्या का निदान समय पर होने पर ऊर्जा बनी रहेगी।

व्यक्ति के व्यवहार का मूल स्रोत मानसिकता और परिजनों से विरासत में प्राप्त ज्ञान होता हैं। अच्छे साहित्य व अच्छे लोगों के बीच बैठने से अच्छे विचार आते है व धनात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है, परिणामस्वरूप हम अच्छा व्यवहार करके प्रगाढ़ रिश्ते कायम करते हैं। हमने परिवार में एक दूसरे के लिए क्या सोचा और क्या किया है? यदि व्यक्ति सकारात्मक हैं और परिवार के किसी सदस्य का अनुचित व्यवहार होने पर भी वह अपनी सोच व व्यवहार को सकारात्मक रखता हैं तो परिवार के लिए यही प्रसन्नता की कुंजी है।

विगत दिनों में वैज्ञानिक शोध इस ओर इशारा करते हैं की प्रसन्नता का मूल आधार जीवन में उद्देश्य की प्राप्ति है यदि जीवन उद्देश्य युक्त हो जाए तो जीवन का हर क्षण सुख व शांति का द्वार बन जाता है अन्यथा उसे बोझ बनते देर नहीं लगती। यदि परिवार व व्यक्ति किसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर कार्य में कष्ट पा रहा है तो वह कष्ट भी सुख व शांति का ही आधार है। बच्चों को परवरिश में मिलने वाले कष्ट, उस कार्यों में निहित उद्देश्य की तुलना में कम प्रतीत होते हैं और इसलिए खुशी का कारण बन जाते हैं। आज की वैज्ञानिक प्रकृति के इस दौर में जीवन में भागदौड़ का प्रतीक बढ गयी है ऐसे समय हमें पारिवारिक रिश्तों को बेहतर बनाकर परिवार में समरसता का वातावरण तैयार करना है तब ही अपना व परिवार वालों का जीवन सुखी व प्रसन्न रख पाएंगे, यही हमारी धनधान्य से समृद्धि पूंजी है।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
कुमावत इंडिया पत्रिका की प्रति भेंट	4
श्री सूंडाराम जी वर्मा को पद्मश्री सम्मान	5
बाबूलाल मारोठिया को सवाई जयपुर अवार्ड	5
राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2021- परमेश्वर प्रसाद कुमावत को	6
श्रीमती ललिता कुमावत अध्यापिका सम्मानित	6
स्वामिनी सेवा संस्था	7
नन्दकिशोर पारमवाल ''विधिक सलाहकार एवं आयोजना अधिकारी'' नियुक्त	7
श्रद्धेय मुरली मनोहर 'अकिंचन' द्वारा श्री हनुमत चरित्र कथाएँ आयोजित	7
प्रारंभ हुई रामायण सर्किट 5 स्टार सुविधाओं वाली ट्रेन	8
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति (रजि.) ने जयपुर जिले के लिए पदाधिकारी मनोनीत किए	8
पाठक प्रतिक्रिया	9
भट्टों की गली में 25 पट्टे बांटे	10
श्रवण कुमावत बीजेपी वार्ड अध्यक्ष मनोनीत	10
श्रीमती शिमला देवी घोड़ेला महिला अध्यक्ष एवं बीजेपी महिला मंत्री मनोनीत	10
महेन्द्र कुमावत पार्षद चौमूं ने किया पेयजल समस्या का समाधान	10
आर्टिस्ट विजय वर्मा सम्मानित	10
विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित	11
294 वाँ जयपुर स्थापना दिवस (स्थापना 18 नवम्बर 1727) पर विशेष	12
कोरोना को दी जा रही है दावत, लापरवाही की हदें पार	13
दीपावली और व्यापारिक पुरषार्थ	14
लाला लाजपत राय	15
शादी के बाद ससुराल में बनाएं अपनी खास पहचान	16
युवा होते बच्चों का परिवेश	17
देश पर गर्व करें	17
स्त्रियों के बाल सुंदरता और सौभाग्य का प्रतीक	18
जलेबी	19
विशिष्ट संरक्षक	20
श्रद्धांजलि	20
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	21
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	22
डॉ. सुनीता कुमावत	23
मनीष ने कृषि के क्षेत्र में सबसे कम उम्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड बाया	23
नीट 2021 में सुशील कुमावत चयनित	23
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के लीलाधर कुमावत प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित	24
सन्नी कुमावत को सचिवालय कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष की शपथ	24
जयपुर पत्रकान सम्मान महेश (मोना) कुमावत को	24
राज कुमावत ने सांचू बॉर्डरपर मनाई दिवाली	24
विशिष्ट संरक्षक सदस्य : डॉ. पी.एम. कुमावत	24
टीम चेतन धुंधारियाके संस्थापक चेतन कुमावत का 50वां जन्मदिवस मनाया	25
साइबर सिक्योरिटी प्रतियोगिता में गोल्ड मैउल जीता	25
राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिकार के रिंकू कुमावत जिलाध्यक्ष बने	25
सुनील कुमावत को भाजपा ने बस्सी विधानसभा प्रत्याखी नियक्त किया	26
कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर का शपथ ग्रहण	26
श्रद्धांजलि विज्ञापन	26

कुमावत इंडिया पत्रिका के अक्टूबर 2021 अंक दीपावली विशेषांक भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती मधु कुमावत, भाजपा जयपुर शहर उपाध्यक्ष श्री विमल कुमावत, श्री चेतन कुमावत एवं समाज के गणमान्य लोगों को भेंट की गई।

इस बार झोटवाड़ा, जयपुर के पाठकों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका व्यक्तिगत रूप से जाकर दी गयी। जिसमें पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल सदस्य सुरेन्द्र मारोठिया व महेश जलांधरा का विशेष सहयोग रहा।

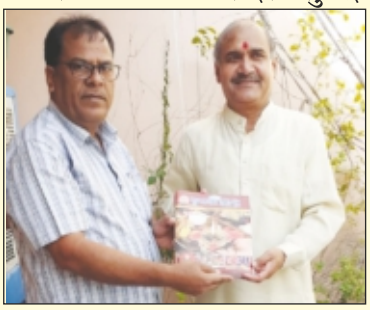

कुमावत इंडिया पत्रिका के अक्टूबर अंक में प्रकाशित फोटो से लक्ष्मी पूजन करते हुए समाजजन

श्री सूंडा राम जी वर्मा को पद्मश्री सम्मान

भारत प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक श्री सूंडा राम जी वर्मा की ढाणी धाबाई कोठी, दांता, सीकर सहजता और सादगी से भरपूर अद्भुत व्यक्तित्व है। श्री वर्मा ने देश और विदेशों के अनेकों कृषि सम्मेलनों और विश्वविद्यालयों में अपने शोध पत्रों का वाचन किया है और प्रदर्शनियां लगाकर अपने कृषि के बारे में नवीन व उन्नत जानकारी दी। आपने 15 फसलों की 700 से ज्यादा देशी प्रजातियां संग्रहित कर संरक्षित किया। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत के तीन राष्ट्रपतियों ने इन्हें सम्मानित किया। इनके शोधकार्यों के लिए सर्वप्रथम अमेरिका ने सम्मानित किया तब केन्द्र सरकार ने जागी तथा इन्हें सम्मानित किया, तब जयपुर का ध्यान पड़ा और राज्य सरकार ने सम्मानित किया फिर जिला फिर तहसील और अंत में गांव...। यूं तो आपने एक से एक नायाब कार्य किये हैं पर इनकी सर्वश्रेष्ठ और वंदना करने योग्य देन है एक पौधा जिसे सम्पूर्ण जीवन में मात्र एक लीटर पानी एकबार देकर वृक्ष बनाना। **समाजसेवा व पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हाल ही में आपको पद्मश्री से सम्मानित किया है। विरले ही ऐसे व्यक्तित्व जन्म लेते है। ये समाज के अनमोल रत्न है, इन्होंने कुमावत समाज को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरान्वित किया है।**

कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार पद्मश्री श्री सुंडा राम वर्मा को बधाई देता है साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करता है।

बाबूलाल मारोठिया को सवाई जयपुर अवार्ड

सवाई मानसिंह (द्वितीय) म्यूजियम ट्रस्ट द्वारा सवाई भवानी सिंह (महावीर चक्र) के स्मरणोत्सव 22 अक्टूबर 2021 को जयपुर के प्रसिद्ध चित्रकार शिल्पगुरु **बाबूलाल मारोठिया** को चित्रकला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ''महाराजा सवाई जगत सिंह अवार्ड 2021'' से सम्मानित किया।

'सवाई जयपुर अवार्ड' प्रतिवर्ष मानवता की सेवा, हेरिटेज संरक्षण, चिकित्सा विज्ञान, परम्परागत शिल्प के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए दिये जाते हैं। इस बार यह अवार्ड 24 श्रेणियों में दिये गये।

पुरस्कार में 31 हजार रुपए नकद, शॉल, सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में रखे चांदी के कलश की प्रतिकृति प्रशस्ति पत्र और श्रीफल दिये गये हैं। सम्मान पत्र पर राजमाता पद्मिनी के हस्ताक्षर अंकित हैं।

श्री बाबूलाल मारोठिया का कला सफर 10 वर्ष की उम्र से प्रारम्भ हुआ तब आपके कैनवास पर ब्रुश व रंगों के सामंजस्य ने सभी को आकर्षित किया। आप वर्ष 1998 में जयपुर के सिटीपैलेस के गुणीजन खाने से जुड़े। आपकी मौलिक कल्पना और रचनात्मकता ने देश-विदेश में ख्याति अर्जित की।

आप पिछले 25 वर्षों से महाराज सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय सिटी पैलेस जयपुर में अपनी कला का प्रशिक्षण दे रहे हैं। आप 30 से अधिक देशों में कला प्रदर्शन कर चुके हैं। आपने मिनीएचर पेंटिंग की सभी विधाओं पर कार्य किया है। आपकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए **राष्ट्रीय पुरस्कार, 1997 भारत सरकार से शिल्प गुरु अवार्ड, युनेस्कों से ''सील ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड'' तथा राजस्थान हस्तशिल्प रत्न अवार्ड जैसे अवार्डस से नवाजा जा चुका है।** किन्तुआपका व्यक्तित्व बहुत ही सरल व मिलनसारिता सभी को प्रभावित किये बिना नहीं रह सकती है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से आपको महाराजा सवाई जगतसिंह अवार्ड 2021 से सम्मानित किए जाने पर बधाई। आपने कुमावत समाज को गौरान्वित किया है, आपकी उपलब्धि से समाज के अन्य आर्टिस्ट प्रेरणा लेंगे, ऐसी आशा है।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2021

परमेश्वर प्रसाद कुमावत को

16 नवंबर 2021 को बिरला ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित 'राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2021' में परमेश्वर प्रसाद कुमावत (निवासी मुकाम पोस्ट सांगरिया तहसील फुलिया कला जिला भीलवाड़ा) को शिक्षा जगत में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, शिक्षा राज्य मंत्री, गोविंद सिंह डोटासरा, उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी, संस्कृत शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग के हाथों से श्रीफल, शाल, ताम्रपत्र, प्रशस्ति पत्र एवं 21 हजार रुपये प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्री कुमावत को यह सम्मान उनके द्वारा विद्यालय के भौतिक विकास, श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, नामांकन वृद्धि, बच्चों में शिक्षा, संस्कार, अनुशासन एवं कोरोना जागरूकता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं स्वच्छ भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रदान किया गया। श्री कुमावत अच्छे मंच संचालक, कवि, लेखक एवं दिव्य प्रतिभा के धनी हैं । इनका व्यक्तिगत जीवन सहज, सरल, सेवा, समर्पण, संस्कार से परिपूर्ण है। आप एक अच्छे समाजसेवी भी हैं। संस्कृत भाषा के संवर्धन हेतु आप 'संस्कृत भारती' से जुड़कर कई शिविरों का सफल आयोजन कर चुके हैं। समाज आप जैसी प्रतिभा को पाकर गौरवान्वित महसूस करता है। आप वर्ष 2012 में राजकीय सेवा में आये। आपने 9 वर्ष की अल्प अवधि में विद्यालय के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया, भामाशाहों को प्रोत्साहित करके विद्यालय का भौतिक विकास कराया। आपने राज्यसभा सांसद श्रीमान वी पी सिंह बदनोर से विद्यालय में कंप्यूटर प्रिंटर, बच्चों के लिए फर्नीचर की व्यवस्था करवायी । विद्यालय में ग्रामवासियों के सहयोग से खेल मैदान में 500 सागवान के पौधे लगाए इनमें आज भी 300 पौधे जिंदा है। विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल से डीएमएफटी फंड से 250000 रुपये पेयजल व्यवस्था हेतु विद्यालय को दिलवाये। मां सरस्वती का मंदिर, प्रत्येक कक्षा में महापुरुषों के चित्र, पंखे, विद्यालय मैदान में वृक्षारोपण जैसे कार्यों को मूर्तरूप प्रदान किया। शाहपुरा ब्लॉक में भौतिक सुविधाओं, बच्चों में संस्कार, अनुशासन व शिक्षा में श्रेष्ठ विद्यालय, सुंदर विद्यालय के रुप में आपका राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय शंभूपुरा जाना जाता है।

आपके पिता श्री मोहन लाल कुमावत सामान्य कृषक है तथा ग्राम सेवा सहकारी समिति के 2011 से अध्यक्ष है जो उपसरपंच व सरपंच भी रहे। आप समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान मिलने पर श्री परमेश्वर प्रसाद कुमावत को सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया द्वारा जयपुर में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री विमल कुमावत, श्री रूपसिंह कारगवाल, श्रीमती सोनिया डाल, श्रीमती सरोज बड़ीवाल, सर्वश्री मनोहर निराणिया, गोपाल सिंह खोवाल, राकेश मरोड़िया, रामगोपाल बड़ीवाल, राधेश्याम बधानिया, सोहनलाल अजमेरा आदि समाजजन उपस्थित थे।

श्री परमेश्वर कुमावत को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2021 प्रदान करने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर ने उन्हें फोन करके बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्रीमती ललिता कुमावत अध्यापिका सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर शिक्षा विभाग की ओर से **'राजस्थान शिक्षक सम्मान 2021'** के तहत श्रीमती ललिता कुमावत को उपखंड अधिकारी लाडनूं श्री अनिल कुमार व उपखंड शिक्षा अधिकारी श्री रामनिवास घोटिया के कर कमलों द्वारा 5100 रुपए नगद व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आप योग के क्षेत्र में भी पूर्व में सम्मानित की जा चुकी हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका श्रीमती ललिता कुमावत को राजस्थान शिक्षक सम्मान 2021 से सम्मानित करने पर बधाई देती है तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं।

स्वामिनी सेवा संस्था

स्वामिनी सेवा संस्था की स्थापना कुमावत कालोनी, सोडाला क्षेत्र, जयपुर में 18 दिसंबर 2017 को हुई। संस्था प्रत्येक अमावस्या को सवाई मानसिंह अस्पताल की बांगड़ इकाई में करीबन 1500 से 2000 जरूरतमंद लोगों के भोजन की व्यवस्था करती हैं। संस्था द्वारा 6 माह के अंतराल में रक्तदान शिविर लगाया जाता है। प्रत्येक रविवार को गौशाला में हरे चारे की व्यवस्था संस्था करती है। संस्था के स्वयंसेवक श्रमदान कर कार्यक्रम पूरा करते हैं। संस्था द्वारा हर 3 माह में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाता है। इसके साथ ही पिछले 4 वर्षों से संस्था द्वारा हर दीपावली पर गरीब व जरूरतमंद लोगों को मिठाई, नए कपड़े तथा पटाखे वितरित किए जाते हैं संस्था ने हर घर दिवाली महोत्सव 2021 में 11000 जरूरतमंद लोगों को मिठाई, कपड़े, पटाखे आदि का वितरण हेतु जयपुर नगर निगम हेरिटेज की महापौर श्रीमती मुनेश गुर्जर व वार्ड 46 की पार्षद श्रीमती ज्योति चौहान द्वारा इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया गया।

इस कार्यक्रम में अशोक कुमावत अध्यक्ष, गोविंद कुमावत मंत्री, गुरुदयाल वर्मा सचिव, महेंद्र कुमावत सहायक मंत्री, किशन कुमावत कोषाध्यक्ष एवं समाज के गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

'कुमावत इंडिया' परिवार की ओर से समाज सेवा करने पर संस्था के सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद। आशा है यह संस्था सेवाकार्य भविष्य में निरंतर करती रहेगी।

नन्दकिशोर पारमवाल ''विधिक सलाहकार एवं आयोजना अधिकारी'' नियुक्त

श्री नवरत्न मोरवाल, प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति (रजिस्टर्ड) ने श्री नन्दकिशोर पारमवाल (कुमावत) निवासी मदनगंज किशनगढ़ को संस्था का ''विधिक सलाहकार एवं आयोजना अधिकारी'' नियुक्त किया है।

श्री कुमावत राज्य सरकार की जनकल्याणकारी प्रकल्प ''प्रशासन गांवो के संग एवं प्रशासन शहरों के संग अभियान'' के दौरान कुमावत समाज बंधुओं को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लाभान्वित कराने, समाज में छात्रावास एवं सामाजिक प्रयोजनार्थ सरकार से भूमि आवंटन कराने, समाज में महिला एवं बाल विकास से संबंधित कार्यों में अपना नि:शुल्क सहयोग प्रदान करते हुए समाज बंधुओं को अनुग्रहित करेंगे।

इस अवसर पर श्री पारमवाल के नावां आगमन पर राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति (रजिस्टर्ड) के कोषाध्यक्ष श्री नेमीचन्द पचेरीवाल, इकाई अध्यक्ष राजेश सिहोटा, संरक्षक श्री लादुराम मोरवाल, श्री महेन्द्र मारोठिया, श्री कैलाश बगराणिया, श्री मोहन नागा, श्री चन्द्रेश त्यौंदवाल मारोठ, श्री मुंशीराम मारोठिया सहित समाजवासियों के द्वारा राजस्थानी परम्परा के अनुसार स्वागत अभिनन्दन किया गया।

श्रद्धेय मुरली मनोहर 'अकिंचन' द्वारा श्री हनुमत चरित्र कथाएँ आयोजित

हरिनाम संकिर्तन परिवार के तत्वावधान में एवं श्रद्धेय मुरली मनोहर 'अकिंचन' के सानिध्य में श्री हनुमत चरित्र कथा का आयोजन किया गया। व्यास पीठ से श्री अकिंचन महाराज ने हनुमान जी महाराज के गुणों का वर्णन करते हुए हनुमानजी को विद्यावान गुणी अतिचातुर, राम काज करिबे को आतुर। चौपाई की व्याख्या करते हुए हनुमान जी को विद्यावान बताया। उन्होंने कहा कि रावण भी विद्वान था किन्तु वह अभिमानी भी था। अभिमानी दूसरों की शांति का हरण कर लेता है। वास्तव में विद्यावान वह है जो दूसरों की खोई हुई शांति को खोजकर वापस उनसे मिला दे। विद्यमान व्यक्ति में लेशमात्र अभिमान नहीं होता।

प्रारंभ हुई रामायण सर्किट 5 स्टार सुविधाओं वाली ट्रेन

रामायण सर्किट 5 स्टार ट्रैन। राजधानी एक्सप्रेस ट्रैन से भी दो गुनी शानदार।

रामभक्तों के लिए अयोध्या से रामेश्वरम तक उस पूरे पथ पर यह यात्रा जाएगी, जहाँ-जहाँ से वनगमन में श्रीराम, जानकी और लखन निकले। दिल्ली से चलकर पहला पड़ाव अयोध्या में तथा 17 दिन बाद रामेश्वरम में यात्रा का समापन। रामेश्वरम से वापस दिल्ली। अभी एक ट्रेन, बाद में बढ़कर हो जाएंगी चार ट्रेन।

इस आलीशान पूर्ण एसी गाड़ी में फस्ट एसी और सैकेंड एसी दो ही क्लास होंगी तथा इसका किराया क्रमश: एक लाख दो हजार और 82 हजार है। गाड़ी में पूर्ण शाकाहारी भोजन, शानदार रेस्टोरेंट, सुपर डीलक्स वॉशरूम आदि उपलब्ध है। साथ ही पूजागृह, कीर्तन कक्ष, प्रवचन कक्ष एवम राम लखन वैदेही के रूपधारी पात्र है। रात्रि में बढ़िया एसी होटलों में विश्राम, भ्रमण स्थलों के लिए डीलक्स बसें, बढ़िया शाकाहारी भोजन का प्रबंध है। चित्रकूट, प्रयाग, नासिक, किष्किन्धा, हम्पी आदि हर वह स्थल जहां जहां से प्रभु राम वन गए यह गाड़ी लेकर जायेगा।

पहली रेलगाड़ी रवाना हो गई है। रामायण सर्किट यात्रा का इतना आकर्षण है कि पहली गाड़ी में एक भी सीट खाली नहीं है। रेलवे की योजना है कि ऐसी कुल चार ट्रेन चलें ताकि देश विदेश से आने वाले राम भक्तों की अभिलाषा पूरी की जा सके।

योजना है कि, ऐसी ही एक गाड़ी वैष्णोदेवी तथा दूसरी पुष्कर-अजमेर के लिए चलाई जाए। यह जानकर खुशी होगी कि कृष्णा सर्किट ट्रेन का सर्वे भी इन दिनों चल रहा है। रामायण सर्किट ट्रेन के यात्रियों को भविष्य में रामेश्वरम से श्रीलंका तक कि यात्रा भी हवाई जहाज से कराई जाएगी। रामायण सर्किट ट्रेन उन्हीं में से एक है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है, जिस पर पूरे देश को गर्व है।

रामलला की पैंजनिया सुनकर यात्रा शुरू करें और राम सेतु देखकर यात्रा सम्पन्न करे। रास्ता भी ऐसा, यदि इस ट्रेन से न जाएँ तो राम के वनगमन मार्ग पर कभी जा ही नहीं पाएं। इस देश की आत्मा अयोध्या में बसी है। राम तो हमारी इस पावनभूमि के कण कण में बसे हैं। यह पूरी वसुधा उनकी भूमि है।

भारत की आत्मिक शक्ति अध्यात्म है, उससे कभी जुदा नहीं हुआ जा सकता। यह देश महायात्राओं का देश है। ऐसे में भगवान राम के चरण चिह्न जहां-जहां पड़े उनके दर्शन का अवसर सचमुच अद्भुत है।

'राम जन्म से अंत तक, जीवन-संबल राम।
राम हमारी संस्कृति, राम बने पहचान।'

हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हम मर्यादा पुरुषोत्तम राम का अनुसरण करने का प्रयास करे।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति (रजि.) ने जयपुर जिले के लिए पदाधिकारी मनोनीत किए

पंकज कुमावत

सुरेन्द्र कुमावत

महेश कुमावत

पृथ्वीराज कुमावत

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति (रजि.), नागौर में पंकज कुमावत (सिरोहिया) जिलाध्यक्ष जयपुर शहर, सुरेन्द्र कुमावत जिला उपाध्यक्ष, महेश कुमावत जिला सह संगठन मंत्री, पृथ्वीराज कुमावत जिला शिक्षा प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष नवरतन कुमावत ने कहा कि संगठन ने जो दायित्व दिये गये हैं वे अवश्य उनको पूर्ण करेंगे। आप सदैव समाज हित में कार्य करते हुए समाजबंधुओं को जोड़ने का प्रयास करेंगे तथा समाज को मजबूती प्रदान करेंगे। मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। 'कुमावत इडिया' पत्रिका की ओर से पंकज कुमावत, सुरेन्द्र कुमावत, महेश कुमावत व पृथ्वीराज कुमावत को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ।

पाठक प्रतिक्रिया

- यह अंक रोचक, ज्ञानवर्धक और सराहनीय है। पत्रिका की ओर से दिवाली पर पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए अपील की गई है, वह निसंदेह अच्छा संदेश देती है। दिवाली हिंदुओं का मुख्य पर्व है, समाज की अनेक पत्रिकाओं ने दिवाली पर्व का उल्लेख ही नहीं किया है। मैं निवेदन करता हूं कि हिंदुओं के मुख्य त्योहार को पत्र-पत्रिकाओं में यथोचित जगह दे।

-गणपत कुमावत, ग्राम-भादवा, जोबनेर

- माह अक्टूबर 2021 का महादीपावली अंक विशेष है, इसकी छपाई वा शैली आकर्षक व उभरती हुई है। विभिन्न लेख भी हमे इसकी और आकर्षित करते है।

-नीरज कुमावत (धुंधारिया)

- दीपावली विशेषांक बहुत ही अच्छा संस्करण है इसमें सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें बताया गया कि ससुराल में पहली दीपावली कैसे मनाई जाये, समाजजनों के बधाई संदेश, दीपावली की पौराणिक कथाओं की जानकारी आदि की जानकारी दी है उसे जानना आज की पीढ़ी के लिए आवश्यक है।

  अंत में कुमावत इंडिया परिवार की इको ग्रीन दीपावली मनाने की अपील व जानकारी बहुत ही अच्छी लगी।

-नेमी चंद कारवार, साँवेर, म.प्र.

- कुमावत इंडिया पत्रिका से संबंधित व्यक्तियों का धन्यवाद जिन्होंने दीपावली का एक रचनात्मक एवं प्रेरक संदेश सभी समाज बंधुओ को दिया।

-जीवराज सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर

- कुमावत इंडिया पत्रिका के दीपावली विशेषांक में रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी का समावेश किया गया है। उर्वशी बालोदिया तथा मुकेश कुमावत द्वारा सामयिक विषय पर लेख मिलावट खोरों से बचकर घर में पकवान बनाने के लिए प्रेरित करते हैं और किसी गरीब व्यक्ति के घर में खुशियां मिठाई आदि बांटकर निर्दोष व निश्छल आनंद प्राप्त करने की ओर प्रोत्साहित करते हैं। आशा है कि इससे अवश्य कई समाजबंधु लाभान्वित हुए होंगे। रामनाथपुरम के कलेक्टर बने श्री शंकर लाल कुमावत तथा ICS परीक्षा उत्तीर्ण करके पल्लवी वर्मा ने समाज का गौरव बढ़ाया है तथा युवा पीढ़ी के लिए उत्साह वर्धक पथ प्रदर्शन किया है। हार्दिक बधाईयाँ।

-पदम सरन मारवाल, गूजर की थडी, जयपुर

- 'कुमावत इंडिया पत्रिका' समाज के लिए एक प्रकाशपुंज है, जो निरन्तर ज्ञान, जागरूकता, शिक्षा तथा सामाजिक जानकारियों का उजियारा फैला कर समाज को विकास की राह पर अग्रसर करने की दिशा में प्रयासरत है।

-उर्वशी बालोदिया

- इस अंक में समसामयिक विषयों के साथ ही दिपावली पर्व के सम्बन्ध में विशेष जानकारी दी गई है। हमारे समाज के होनहार छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया है। कुमावत इंडिया पत्रिका की टीम को हार्दिक बधाई।
- यदि संभव हो तो विशेष उपलब्धि पाने वाले लोगों के अनुभव, संस्मरण प्रकाशित कराने का प्रयास करें जिससे हमारे समाज के युवक, युवतियां प्रेरित हो सके।

- लक्ष्य राज अजमेरा, प्रतापनगर, जयपुर।

- कुमावत इंडिया पत्रिका समाज में एक नई जागृति लाने में सफल हो रही है तथा विभिन्न प्रकार के लेखों से समाज को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, खेलकूद, स्वास्थ्य, विधि संबंधित एवं दैनिक गतिविधियों से अवगत करवा रही है। अविवाहित युवक एवं युवतियों के परिचय प्रकाशित कर वैवाहिक संबंध स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है तथा एडिटिंग एवं डिजाइनिंग भी बहुत शानदार है। अत: समाज के सभी बंधुओं से निवेदन करता हूं कि कुमावत इंडिया पत्रिका के सदस्य बनकर इसे मजबूत करें।

-हरि शंकर खंडारिया, उदयपुर

- कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका दिनांक 20 अगस्त 2017 से लगातार प्रगति की और अग्रसर है। इसमें समाजोत्थान के क्रम में समाज के वयोवृद्ध एवम् गणमान्यजनों के राजनैतिक, समाजिक अनुभव, शैक्षणिक सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास, राजकीय विभागो, उच्च प्रतिष्ठानों की भूमिका, विभिन्न उच्च पद IAS, RAS में आज के युवा युवतियों का चलन, एलोपैथी, आयुर्वेद , यूनानी, होम्योपैथी, एक्यूप्रेशर, योग इत्यादि में समाज की भूमिका समय समय पर हम - आप तक पहुंच रही है, शायद ही कोई अन्य पत्रिका हो जिसमे यह सब हो।

- नीरज धुंधारिया, B.com, संगीत विशारद

- कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका लगातार प्रगति की और अग्रसर है। इस अंक में प्रकाशित शादी के बाद ससुराल में पहली दीवाली बनाएं यादगार व तन-मन में भरे खुशहाली, ऐसे मनाएं दीवाली लेख सराहनीय, शिक्षाप्रद थे।

- राकेश कुमावत, एडवोकेट
मो. 9829152561

भट्टों की गली में 25 पट्टे बांटे

प्रशासन गावों के संग अभियान में भट्टों की गली, रामपुरा में राज्य सरकार के द्वारा शिविर लगाया गया। शिविर में अध्यक्षता सरपंच संजना चौधरी, मुख्य अतिथि उप जिला प्रमुख मोहन डागर, विशिष्ट अथिति जालसू प्रधान हरदेव यादव एवं रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट थे। शिविर प्रभारी SDM मनीष फौजदार और आमेर उपखंड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चरण थे। अनेक सरकारी विभागों के अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे। जिन्होंने शिविर में वर्षो से अटके पुराने कार्यों को किया गया व आमजनों की समस्याओं का निराकरण हुआ। शिविर में आव्हान किया गया कि आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इस शिविर में ग्रामीणों को 25 पट्टे वितरित किये गए।

श्रवण कुमावत बीजेपी वार्ड अध्यक्ष मनोनीत

श्री कालीचरण सराफ मालवीय नगर विधानसभा विधायक ने 13 नवम्बर को वार्ड संख्या 137 जयपुर ग्रेटर में नवनिर्मित सड़क एवं बोरिंग के उद्घाटन के अवसर पर श्रवण कुमावत पुत्र स्व. श्री रामदयाल राजोरिया निवासी मानसिंहपुरा, टोंक रोड, जयपुर को वार्ड संख्या 135 जयपुर ग्रेटर का वार्ड अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस अवसर पर श्री सराफ ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में दिनेश गौड़ पार्षद वार्ड 137, पार्षद प्रत्याशी सुभाष परवाल, बीजेपी के कार्यकर्ता तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। श्री श्रवण कुमावत लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव में बीजेपी के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में महति भूमिका निभाई थी। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री श्रवण कुमावत को बधाई।

प्रभुलाल कुमावत सी आई भ्रटाचार निरोधक विभाग का पुलिस उप अधीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

महेन्द्र कुमावत पार्षद चौमूं ने किया पेयजल समस्या का समाधान

चौमूं शहर के वार्ड नं. 14 इंदिरा कॉलोनी स्थित गणेश नगर 5-7 वर्षों से पेयजल समस्या से ग्रस्त था। पार्षद महेन्द्र कुमावत ने इस समस्या का निराकरण करने की ठानी। उन्होंने कॉलोनी वासियों से समझाइश की व जलदाय अधिकारियों से मिलकर इसका निदान करने का प्रयास किया। आखिर ७जी.आई. पाईप लाईन पेयजल हेतु डाली गयी। स्थानीय निवासियों ने इस समस्या के निवारण पर पार्षद महेन्द्र कुमावत का अभिनन्दन किया।

श्रीमती शिमला देवी घोड़ेला महिला अध्यक्ष एवं बीजेपी महिला मंत्री मनोनीत

समाज उत्थान के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने एवं सहयोग देने के कारण श्रीमती शिमला देवी घोड़ेला को कुमावत संस्थान पंचायत भवन, बिहारी पोल, किशनगढ़ (अजमेर) ने क्षत्रिय कुमावत समाज महिला मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया है। भारतीय जनता पार्टी ने श्रीमती शिमला देवी घोड़ेला के सराहनीय कार्यों के कारण किशनगढ़ महिला मण्डल के मत्री पद पर पुन: मनोनीत किया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्रीमती शिमला देवी घोड़ेला को बधाई।

साँवेर, में 5 फरवरी, 2022 को सामूहिक विवाह

क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज का सामूहिक विवाह 2 वर्ष के बाद बसंत पंचमी 5 फरवरी को आयोजित होगा। इसके लिए कुमावत समाज श्रीकृष्ण मंदिर समिति केशरीपुरा द्वारा पंजीयन प्रारम्भ कर दिया गया है, पंजीयन शुल्क रु.15 हजार है तथा अंतिम तिथि 10 जनवरी रखी गयी है।

आर्टिस्ट विजय वर्मा सम्मानित

शेखावाटी के गुड़ागौड़जी निवासी हाल निवासी मुम्बई विजय वर्मा, आर्टिस्ट को अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल एक्सिबिशन एंड कॉम्पिटिशन में भाग लेने पर 4 जजों की ज्यूरी ने रविन्द्रनाथ टैगोर डायमंड अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से अध्यक्ष रमेश गैदर ने इन्हें फोन कर बधाई दी।

युवा चित्रकार विजय वर्मा को पहले भी अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित

संकलनकर्ता मनीष कुमावत, सांगानेर

क्र. सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान / लेवल	अधिकतम आयु	योग्यता	अंतिम तिथि	वेबसाईट का पता	अन्य
1	राजस्थान पुलिस, राजस्थान सरकार (RAJASTHAN POLICE)	कांस्टेबल	**4438**	लेवल –4	35	10 वीं	03 दिसम्बर 2021	https://sso.rajasthan.gov.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
2	भारतीय डाक विभाग, राजस्थान जयपुर संभाग, भारत सरकार (INDIA POST)	सहायक, कनिष्ठ सहायक ग्रेड–1, एम टी एस	**22**	लेवल –4	30	12वीं एवं स्पोर्टसी खिलाड़ी	12 दिसम्बर 2021	www.indiapost.com	**केवल ऑफलाइन आवेदन मान्य**
3	होम गार्ड विभाग, राजस्थान सरकार (RAJASTHAN POLICE)	होम गार्ड	**135**	लेवल–2	30	8 वीं एवं लाइसेंसधारी	15 दिसम्बर 2021	www.home.rajasthan.gov.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
4	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, भारत सरकार (NIT SIKKIM)	तकनीकी सहायक	**3**	लेवल–6	30	बी.टेक	06 दिसम्बर 2021	nitsikkim.ac.in	**केवल ऑफलाइन आवेदन मान्य**
5	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, भारत सरकार (NIT SIKKIM)	सुपरीटेंडेंट	**1**	लेवल –6	30	प्रथम श्रेणी से स्नातक	06 दिसम्बर 2021	nitsikkim.ac.in	**केवल ऑफलाइन आवेदन मान्य**
6	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, भारत सरकार (NIT SIKKIM)	टेक्नीशियन	**2**	लेवल –3	30	12 वीं एवं ITI	06 दिसम्बर 2021	nitsikkim.ac.in	**केवल ऑफलाइन आवेदन मान्य**
7	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, भारत सरकार (NIT SIKKIM)	कनिष्ठ सहायक	**2**	लेवल –3	30	12 वीं	06 दिसम्बर 2021	nitsikkim.ac.in	**केवल ऑफलाइन आवेदन मान्य**
8	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, भारत सरकार (NIT SIKKIM)	कार्यालय सहायक	**2**	लेवल –1	30	12 वीं	06 दिसम्बर 2021	nitsikkim.ac.in	**केवल ऑफलाइन आवेदन मान्य**
9	कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, भारत सरकार (ASRB)	निदेशक एवं सहायक निदेशक	**90**	लेवल –8	35	संबंधित क्षेत्र में स्नात्तकोत्तर एवं अनुभव	06 दिसम्बर 2021	http://www.asrb.org.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य

294 वाँ जयपुर स्थापना दिवस (स्थापना 18 नवम्बर 1727) पर विशेष

नगर जयपुर की स्थापना सन् 1727 में महाराजा सवाई जयसिंह ने की थी। वास्तुविज्ञ पं. विद्याधर के निर्देशन में उस्ता लाला कुमावत ने शिल्प शास्त्र समवाय में जयपुर नगर का प्रारूप बनाया जिसे महाराज ने स्वीकार कर तद्नुरूप आकार देने का आदेश दया। शुभ घड़ी में निश्चित स्थान पर नींव रखने का काम ज्योतिष की दृष्टि के अनुकूल वेद मंत्रों की ध्वनी के साथ विद्याधर चक्रवती ने महाराजा सवाई जयसिंह द्वारा कराया। विद्याधर चक्रवती, अणतराम कुमावत और लाला कुमावत को वस्त्र और स्वर्ण मुद्रायें देकर सम्मानित किया गया तथा निर्माण का भार अणतराम कुमावत व लाला कुमावत को दिया गया। इन दोनों वास्तु शिल्पकारों ने प्रारूप के अनुसार नगर की सीमाओं को रेखांकित कर नौद्वार और आठ चौकडियों को चिन्हित कर तीन चौपड़ों के स्थान निश्चित किये। चौकड़ियों में दो चौकडियां राज्य के लिये एवं शेष छह चौकड़ियां प्रजा के लिय निश्चित की गई। चौपड़ों के कोणों (खन्दों) में भव्य मंदिर बनाने का प्रावधान रखा गया। रेखाकिंत परकोटे में चढ़ने के लिए खुर्श बुर्ज, दमदमें, नाले, तोपखाने का प्रावधान रखा गया और द्वार इस प्रकार रखे गये कि आक्रमणकारी नगर में सामने से प्रवेश न कर सकें और जनता दक्षिण द्वार से नगर से बाहर निकले। नगर के मध्य के रास्ते नर, मादा के हिसाब से रखे गये (एक छोटा, दूसरा बड़ा) इसके अतिरिक्त मुख्य सड़कों पर भव्य इमारतें व मंदिर बनाने के लिए स्थान भी निश्चित किये गये।

नगर निर्माण के समय आमेर ढूढांड क्षेत्र में कुमावतों का एक समुदाय विशेष था, जिनमें कारीगर, कलाकार, पत्थर गढ़ने वाले, चित्रकार, आराइस मनोबल पच्चीकारी, तारकसी सोने की छपाई का काम करने वाले तथा प्रारूपकार थे। यह समुदाय वास्तुशास्त्र के चार नियमों (शास्त्र, प्रज्ञा, आचरण कर्म) से पूर्णतया विज्ञ था। वास्तु शास्त्र के उक्त नियमों के तहत नगर के पोल झरोखे, ताज गोखे, सीड़ीदार बनी हवेलियां, मन्दिर, चौपड़ें, सड़कें, मीनारें, फव्वारें, बगीचे, राजमहल, कुएं, बाबड़ियां, परकोटा, तोपखाने व दमदमें आदि को इस समुदाय ने ही आकार दिया। इस समुदाय ने ही तत्कालीन शासकों के निर्देशन पर राधा स्वामी की समाधी आगरा, ताजमहल, लाल किला, राष्ट्रपति भवन, संसद, विज्ञान भवन आदि का निर्माण किया था, इसके अतिरिक्त औरंगाबाद, कच्छभुज, कश्मीर, इलाहबाद, बनारस, पूना, मुम्बई आदि शहरों के भव्य निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाई।

जयपुर में महाराजा सवाई जयसिंह के समय में नगर निर्माण युद्ध स्तर पर चला। शहर की बाहरी दीवारों (परकोटा) और पोल (द्वार) जयगढ़, नाहरगढ़, चन्द्र महल जन्तर-मन्तर, ताल कटोरा, कुएं, बाबड़ियों को कलात्मक भव्य निर्माण हुआ। महाराजा ने गणतराम कुमावत को उसकी कार्यकुशलता से प्रसन्न होकर एक गांव किशनपुरा उर्फ खातीपुरा जागीरी में देकर सम्मानित किया।

महाराजा साई ईश्वरी सिंह के समय में सरगासूली (ईसरलाट) मीनार का निर्माण हुआ। ईसरलाट के प्रारूपकार व निर्माण संयोजक उस्ता गणेश खोवाल कुमावत थे। उक्त रम्य एवं कलात्मक निर्माण पर महाराजा ने एक सोने की करणी व वस्त्र सम्मान में प्रदान किये।

महाराजा सवाई प्रतापसिंह के समय में हवामहल प्रतापेश्वर मन्दिर, राजा राजेश्वर, ताडकेश्वर मन्दिर, गोविन्द देच मन्दिर बाग में फव्वारे आदि का कलात्मक निर्माण हुआ।

हवामहल का प्रारूप उस्ता लाल चन्द ने बनाया था जिन्हें महाराजा ने गांव जागीरी में देकर सम्मानित किया था। ताड़केश्वर मंदिर की आर्च एवं पीतल का बना नादिया उस्ता नारायण ने बनाया था जिन्हें महाराज ने स्वर्ण मुदायें व वस्त्र देकर सम्मानित किया था।

महाराज सवाईरामसिंह के समय में नगर निर्माण का एक विशेष दौर और चला, जिनमें मुख्य तथा सड़कों का निर्माण अमानीशाह का नाला, रामचन्द्र जी का मंदिर (पुरानी विधानसभा के सामने) पब्लिक लाईब्रेरी, स्कूल ऑफ आर्टस, चन्द्रमहल, चांदी की टकसाल, पोस्ट ऑफिस, टेलीग्राम, रामनिवास बाग, अलबर्ट हाल, रामगढ़ बांध, जल महल, मैया अस्पताल (सांगानेरी गेट) मेडिकल कॉलेज, रेलवे स्टेशन चौपड़ों के खन्दों में मन्दिर, अन्य मंदिर व इमारतों के कलात्मक एवं रमय निर्माण हुये। निर्माण के मुख्य अभियन्ता उस्ता राम विलास कुमावत थे। उस्ता रामविलास के सुझाव पर जयपुर के प्रमुख बाजारों का हल्का गेरूवा रंग किया गया। इमारतों पर सफेद रंग (खमीरा) के खत व भित्ती चित्र बनाए गए। उस्ता रामविलास को उनकी कार्य कुशलता से प्रसन्न होकर महाराजा ने नमक की मंडी द्वार पर एक भव्य हवेली बनाकर दी और ग्राम खातीपुरा उर्फ किशनपुरा जागीरी में प्रदान किया। अन्य कलाविद प्रारूप कारों में उस्ता रामबक्श मुखबर (अल्बर्ट हाल के प्रारूपकार) लालचन्द गहलोत कुमावत (मैयो अस्पताल, जनाना अस्पताला, चान्दपोल, चान्देपाल चर्च आदि के प्रारूपकार) मास्टर राम प्रताप कुमावत (चित्रकार) मास्टर राम प्रसाद चित्रकार (राजस्थान विश्वविद्यालय के हाल में लगा मिर्जा इस्माइल का चित्र व अन्य आकर्षक चित्र) उदयराम कुमावत ताज्जीय सरदार (चित्रकला पर सोने का कड़ामिया) गंगा बक्स कुमावत (चित्रकला भित्तीकला के प्रमुख गुरु) थे। इनका समय समय पर सम्मान किया गया और पुरस्कार दिए गए।

महाराजा सवाई माधोसिंह के समय में माधो विलास, माधो विहारी मंदिर, गंगा माता-गोपाल जी मन्दिर बने और महाराजा राम सिंह के समय में हुए कार्यों को पूर्ण कराया गया। महाराज के समय में चित्रकला में काफी प्रगति हुई। गोपीराम कुमावत, सोहन लाल कुमावत, मान उस्ता कारीबर वास्तुकार एवं चित्रकार थे।

विश्व विरासत जयपुर के पुरोधा : जयपुर की विश्व विरासत का सम्मान दिनांक 6 फरवरी सन् 2020 के शुभ दिन राजस्थान राज्य के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को युनेस्को के महानिदेशक आंड्रे आजोले ने प्रदान किया है। इस सम्मान से राजस्थान की राजधानी जयपुर को जो गौरव प्राप्त हुआ है, वह स्वर्णाक्षरों में लिखने योग्य है।

इस शुभ अवसर पर हम उन सभी पूर्व महाराजाओं, वास्तुविदों, शिल्पकलाकारों को हृदयतल से नमन करते हैं, जिनके निर्देशन, सुझाव, प्रयास, श्रम और उनकी ढूंढाड वास्तुकला से अभिभूत यह शुभ अवसर हमें प्राप्त हुआ है।

कोरोना को दी जा रही है दावत, लापरवाही की हदें पार

याद कर लीजिए वो दिन जब अस्पतालों के बाहर लाइन लग रही थी, लोग ऑक्सीजन के लिए भटक रहे थे, दवाइयों के लिए तड़प रहे थे। हमने दूसरी लहर में अपनों को खोया है, रिश्तों को खोया है। इसके बावजूद लोग वो सब-कुछ भूल गए हैं। कभी चुनाव, कभी क्रिकेट मैच तो कभी शादी-समारोह आदि कोरोना संक्रमण को तेजी से बढ़ाने की वजह साबित हो सकते हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना के दंश ने राज्य ही नहीं, पूरे देश की अर्थव्यवस्था को हिलाकर कर रख दिया। अब बड़ी मुश्किल से अर्थव्यवस्था पटरी पर आने लगी है। संक्रमण बढ़ने पर आर्थिक गतिविधियाँ फिर से बाधित होने की आशंका है। देशभर में अनेक स्थानों पर भीड़ जुट रही है। न तो किसी को 2 गज दूरी की परवाह है और न ही ज्यादातर के चेहरे पर मास्क देखा जा रहा हैं। छुट्टी मनाने लोग जगह-जगह घूमने जा रहे हैं। कोरोना की तीसरी लहर से अनजान लोग बगैर मास्क के घूमते देखे जा सकते हैं। लोगों का ये हाल तब है, जब पाँच-छ: महीने पहले ही कोरोना से हालात गंभीर थे। तीसरी लहर के डर को भुला कर लोग अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

भीड़ कोरोना संक्रमण को खुला निमंत्रण दे रही है। ये ऐसे लोगों का हुजूम है, जो मानने लगा है कि कोरोना अब उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा, तो फिर सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क की क्या जरूरत है? कोरोना को हल्के में लेकर भारी भूल करने वाले ऐसे लोगों को उन दिनों की याद दिलाना जरूरी है, जब ऐसी लापरवाही के चलते ही देश में दूसरी लहर में सांसों की इमरजेंसी लग गई थी। संक्रमण से तड़पते मरीजों को अस्पतालों में न बेड मिल रहे थे न ऑक्सीजन, लेकिन क्या लोग मौत का वो भयावह मंजर भूल गए हैं, क्या उन्हें अपनी और अपनों की कोई फिक्र या परवाह नहीं? जान बचाने वाले मास्क को लोग मजबूरी समझने लगे है। दो गज की दूरी अपनाने की जगह मास्क से दूरी अपना ली है।

प्रशासन की ओर से नई गाइडलाइन जारी की गई जिसके अनुसार स्कूल-कॉलेज सहित सभी शिक्षण संस्थानों को 100 प्रतिशत क्षमता से संचालन की अनुमति दे दी गई। अनुमति दिए जाने से चिंता और बढ़ गई है। हाल ही में शादियों में भी मेहमानों की संख्या से प्रतिबंध पूरी तरह से हटा लिया गया है। जाहिर है मौजूदा सीजन में होने वाले लाखों विवाह समारोहों में मेहमानों की संख्या की कोई बाध्यता नहीं रहेगी तो भला सोशल डिस्टेंसिंग कैसे होगी? ये तमाम कारण निश्चित तौर पर कोरोना संक्रमण को तेजी से बढ़ाने की वजह साबित हो सकते हैं।

लापरवाही का ये आलम कमजोर पड़ रहे कोरोना वायरस के लिए तो बूस्टर डोज की तरह है। मास्क ना पहनने के पीछे हर किसी के अलग-अलग बहाने हैं। कोई मास्क घर भूल गया, तो किसी का मास्क गिर गया, तो कोई सांस फूलने का बहाना बनाता दिखता है, तो कुछ वैक्सीन की दोनों डोज लेने के गुमान में चूर हैं। राज्य में पिछले दिनों पंचायत चुनाव के साथ ही विधानसभा की दो सीटों वल्लभनगर और धरियावद में उपचुनाव भी हम सबने देखे हैं, जिसमें कोरोना प्रोटोकॉल की पालना पूरी तरह से नहीं हो पाई। हैरानी तब हुई जब भारत-न्यूजीलैंड अंर्तराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैचों के लिए प्रशासन ने दिल खोलकर अनुमति दे दी। क्रिकेट मैचों के आयोजन से संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। दीवाली के समय बाजारों में देखने को मिला कि ना सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखा जा रहा है और ना ही किसी को मास्क लगाने की पड़ रही है। आखिर क्यों इतनी लापरवाही बरती जा रही है?

कोरोना संक्रमण का एक बार फिर असर दिखने लगा है। दिनों दिन कोरोना के नए मामले आने का सिलसिला लगातार जारी है। साफ है कि कोरोना संकट की ओर से आंखें मूंद लेने का समय अभी नहीं आया है। अब भी समय है प्रशासन चेत जाए और कोरोना प्रोटोकॉल में ऐसी कोई शिथिलता न दे, जिसका आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। अन्यथा कोरोना महामारी के कारण पहले से अधिक बेरोजगारी और महंगाई की मार से त्रस्त जनता की मुसीबतें और बढ़ जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग तेजी से कोरोनारोधी टीकाकरण करने में लगा है ताकि लोगों को कोरोना वायरस से सुरक्षित किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तीसरी लहर को लेकर लोगों को सावधानी पर ध्यान देना होगा। इसके लिए हम सभी का कर्तव्य बनता है कि स्वयं का कोरोना वायरस से बचाव करे। जरूरत है सावधानी की, मुस्तैद रहने की है क्योंकि संक्रमण से लापरवाही नहीं, सावधानी ही बचा सकती है।

जब भी कोई मुश्किल की घड़ी होती है तब लोगों को उसके पीछे के कारण और परिणाम तथा उससे बचाव की जानकारी की जरूरत होती है ऐसे में लोगों की इन सभी जरूरतों को पूरा करने की जिम्मेदारी मीडिया की होती है। कोरोना महामारी के वक्त लोगों को मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का पालन करने, हाथों को लगातार साबुन से धोने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने निरन्तर प्रयास कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपसे अपील करती है कि शादी समारोह में जायें मगर कोरोना प्रोटोकॉल की पालना के साथ। भीड़ का हिस्सा बनने से बचे, सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करें, समय-समय पर अपने हाथों को धोते रहें, मास्क का उपयोग करे।

-जयसिंह गुडीवाल, सह सम्पादक

दीपावली और व्यापारिक पुरषार्थ

पिछले अंक से आगे...

इस दीपावली पर हम इस लेख को किसी लेखक की तरह लच्छेदार शब्दों के जाल न बुनते हुए कुछ ऐसे विषय पर बात करेंगे जो हमारे व्यक्तिगत, सामाजिक व आर्थिक जीवन को एक नया आयाम प्रदान कर सके।

आप देश के बाजार सूचकांक निफ्टी व सेंसेक्स आज रिकॉर्ड ऊचाँइयों पर है जिसका सबसे महत्वपूर्ण कारण है कि कोविड़ की जानलेवा महामारी के बाद पूरा विश्व उबरने की कगार पर है जिसमे भारत वर्ष की वेक्सीन निर्माण और सभी को पहला-दूसरी खुराक का कार्यक्रम सफलता से चलाया जा रहा है जिसमें देश की 60-70% आबादी कम से कम एक डोज तो ले चुकी है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि हमारे देश की अनेक ऐसी कम्पनियां जिन्होंने अपने 20-25 सालो में जो लाभ नही कमाया और अपनी मार्केट कैपिटल नही बनाई उससे कई गुना लाभ व मार्किट कैपिटल उन्होंने पिछले 12 महीनों में कमायी है। इन कम्पनियो ने 3-4 टाइम्स लाभ व मार्केट कैपिटल कमाई है। वही पर महामारी के चलते लेब, हॉस्पिटल, दवा कम्पनियां आज उनके जीवन के सर्वोत्तम शिखर पर बैठी है।

और इससे आगे पिछले 12 महीनों में कम से कम 70-80 नई स्टार्टअप से लेकर पारम्परिक व्यापार करने वाली कंपनियों ने IPO के जरिये अपने आप को स्थापित किया ऐसी नई कम्पनियां है जिन्होंने खुलते ही 4-7 गुना लाभ अपने शेयर धारको को दिया है व खुद की साख भी कई गुना बढाई है। ऐसा अचानक से क्या हुआ जो **बाजार इतनी गति से भाग रहा है और कम्पनियों ने इतना लाभ कमाया है तो इसके मुख्य कारण निम्नलिखित हैः-**

कोविड से लगातार बाहर निकलना, देश की अर्थव्यवस्था का पटरी पर आना, विदेशी संस्थाओं का भारत की कम्पनियो में पैसा लगाना, सरकार का आर्थिक पैकेज, सरकार और रिजर्व बैंक का सहयोग, तकनीकी और प्रोधौगिकी (Internet- Zoom-Online) का छोटे से छोटे और बड़े से बडे व्यापार में समावेश, प्रोधौगिकी से सूचनाओं का सरलता से आदान-प्रदान, सामाजिक मीडिया का हमारे जीवन मे गहन असर, इत्यादि।

परन्तु इस बढ़ते बाजार में जो भी उन्नति हो रही है वह कुछ ही कम्पनियों और लोगो तक ही सीमित है, कहने का अर्थ है कि जो भी Established and System Driven कम्पनियां थी उन्ही का व्यापार और साख, पैसा बना है, जो छोटा व्यापार था वो जड़ से खत्म हुआ है, छोटे व्यापार से मतलब है जो व्यक्तिगत रूप से (Proprietary) कार्य कर रहे थे, जो मात्र बैंक और जानकर लोगो से व्यापारिक ऋण के द्वारा अपना कारोबार कर रहे थे वो 95% खत्म हो गए है। क्योंकि वो न तो सुनियोजित System बना पाए और न समझ पाए और वर्तमान में भी हारे हुए जुआरी की तरह फिर से दांव खेलना चाहते है।

तो हम ऐसा क्या करे और एक बड़ी आबादी को इससे बाहर निकलने का कोई रास्ता बता सके। जब हमने इस पर शोध किया तो पाया कि किसी भी व्यक्ति के लिए सफलता के सभी रास्ते पहले भी खुले थे और आज भी खुले है।

अगर कही समस्या है तो वो है हर व्यक्ति का सफलता के शिखर पर न पहुँचने का खुद पर अविश्वास, व्यापार और सोच को न बदलने की जिद, अपने से असफल लोगो को देखने की आदत, सही सलाह को न सुनना, और अपने आप को सीखने के गुण से अपने अहम के चलते नष्ट करना।

ज्ञात रहे जहाँ पर भी अपने व्यक्तिगत और व्यापारिक क्षेत्र में सीखना और सुनना बन्द किया समझ लीजिए कि आपकी तरक्की वही बन्द हुई और नीचे के रास्ते खुलने शुरू हुए।

दूसरा सबसे महत्वपूर्ण कारण असफलता का यह कि **व्यक्ति हर कार्य खुद से करना चाहता है वो कभी भी प्रोफेशनल की सेवा नही लेता।**

हमारे समाज में 80% लोग स्वंय से कार्य करते है या व्यापार करते है तो क्या आजादी के 72 वर्षो में हमारी जाति या समाज से कोई एक चिन्हित कम्पनी या व्यापार बना पाए जो बाजार पर सूचिबद्ध हो , जिसकी ख्याति देश-विदेश में फैली हो। क्या हमारी बुद्धिमत्ता राजनीतिक, आर्थिक गलियारों में हमारे समाज की पहचान सिद्ध करती है... ? क्या हम इस दौड़ में है ?

जरा सोचिए, क्या आपका/हमारा ज्ञान, बुद्धि, व्यापार, व्यवहार सोच आदि हमें उन 1% लोगो के समकक्ष खड़ा करने का दम रखता है ?

जरा सोचिए, आज पारसी, जैन, अग्रवाल समाज की बौद्धिक, सामाजिक और आर्थिक अमिट पहचान क्यों है क्योंकि इन समाजों ने रतन टाटा, धीरू भाई अम्बानी, लक्ष्मी मित्तल, बिरला, भारती मित्तल, राकेश झुंझुनवाला, अनिल अग्रवाल, रमेश दमानी, ऐसे अनेक नाम है जो इन व्यक्तियों को ही नही उनके पूरे समाज को शिखर पर बिठाते है। हम स्वंय इनको आदर्श मानते है तो ऐसी विडम्बना क्यों है कि 44 लाख की जनसंख्या वाले समाज में हममें से कोई इस दौड़ में शामिल नही होना चाहता है... ?

हम आप सभी को यह बताना चाहते है कि हमने इस चुनोती को स्वीकार किया है आने वाले 30 महीने में स्वयं की ही नही समाज के सामान्य से लेकर बड़े समझे वाले लोगो मे से ही 4 कम्पनियां और निकालेंगे और बाजार पर स्थापित अवश्य करेंगे।

जो आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐसी धरोहर होगी ऐसी

पहचान होगी, जिसके द्वारा उन्हें शिक्षा, जॉब, व्यापार में उचित सम्मान व समान अवसर मिल सकेंगे। हमारी CSR इतनी बड़ी हो सकती है कि किसी भी सामाजिक भवन, शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार के लिए एकल व्यक्ति या समूह पर मात्र निर्भर नही रहना पड़ेगा।

इस दीपावाली विशेषांक में यही संदेश देना चाहते कि अगर आप व्यापार करना चाहते है.. ? अपने व्यापार को बाजार तक ले जाना चाहते हो... ?

तो हम आपके साथ कन्धे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार है।

किसी भी व्यापार में वर्किंग कैपिटल, डेब्ट, ह्यूमन रिसोर्स, ऑपरेशन, टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इनोवेसन, मीडिया, प्रचार-प्रसार इत्यादि क्षेत्र महत्वपूर्ण होते है और हम हर एक क्षेत्र के बेहतरीन विशेषज्ञों के साथ तैयार है।

आने वाले 30 महीने हमारे देश के बाजारों, व्यापारों, अर्थव्यवस्था व राजनीतिक अवसरों के लिए सबसे बेहतरीन होने वाले है, अगले वर्ष देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई के मनपा के चुनाव के साथ उत्तर प्रदेश के चुनाव है , विश्व की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी (LIC) का पब्लिक इशू (IPO) 80-90 हजार करोड़ का 3 चरणों में आने वाला है, वर्ष 2024 में आम चुनाव है, देश व विश्व कोरोना महामारी से निकल रहा है, वैश्विक व्यापार खुल रहे है और अगले 30 महिने में ये चरम पर होंगे और उससे भी बड़ी बात तेजी के 10 वर्षों का यह अंतिम चरण होगा।

ऊपर दिए गए सभी फेक्टर आपको अपने व्यापारिक सपनों को साकार करने में सहायक स्वरूप हो सकते है।

तो अब और इंतजार न करे आज, सही निर्णय ले और किसी भी तरह के सहयोग, जानकारी के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।

आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

- मुकेश कुमावत, मुम्बई मो. 8452968506

लाला लाजपत राय

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरम दल के नेता थे लाल-बाल-पाल। इन तीनों ने सर्वप्रथम भारत में पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की थी तथा सारा देश इनके साथ हो गया था। लाला लाजपतराय उनमें से एक थे। आपका जन्म 28 जनवरी, 1865 को पंजाब के मोगा जिले में जैन परिवार में हुआ। राजकीय कॉलेज लाहौर से आपने वकालत की पढ़ाई की एवं आपने रोहतक व हिसार में वकालत की। सन् 1895 में आपके प्रयासों से पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना हुई। स्वामी दयानन्द के साथ आपने पंजाब में आर्य समाज को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया एवं दयानन्द एंग्लो वैदिक विद्यालयों (आजकल DAV School/College) की स्थापना की। कांग्रेस पार्टी में आकर आपने पंजाब में राजनैतिक विरोध में भाग लिया व तत्कालीन बर्मा में आपको जेल में डाल दिया गया। भारत में आये साइमंड कमीशन का लाहौर में 30 अक्टूबर, 1928 को विरोध प्रदर्शन में आपने भाग लिया। इनका नारा था "Simon Commission Go Back" इस समय हुए लाठी चार्ज में आप घायल हो गये थे, जिसके कारण 17 नवम्बर, 1928 को आपका निधन हो गया।

आपने घायल होने पर कहा था **"मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक-एक कील का काम करेगी।"** लाला लाजपत राय की मृत्यु से देश में उत्तेजना फैल गई, जगह-जगह प्रदर्शन हुए। चन्द्रशेखर आजाद, भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव इत्यादि ने लालाजी पर हुए लाठीचार्ज का बदला लेना ठान लिया व 17 दिसम्बर, 1928 को लाहौर के एसिस्टेन्ट सुपरिन्टेन्डेन्ट जॉन पी. सांडर्स की हत्या कर दी। इस कारण राजगुरु, सुखदेव और भगतसिंह को फांसी की सजा हुई।

इनके अनमोल वचन

- अतीत को देखते रहना व्यर्थ है, जब तक उस अतीत पर गर्व करने योग्य भविष्य के निर्माण के लिए कार्य न किया जावे।
- नेता वह है जिसका नेतृत्व प्रभावशाली हो, जो अपने अनुयायियों से सदैव आगे रहता हो, जो साहसी व निर्भीक हो।

इन्होंने निम्न पस्तकें भी लिखी थीं-

अनहैप्पी इंडिया (Unhappy India),
Young India,
The Political Futrue of India, and
Story of My life

आवश्यक सूचना

समाजजन कुमावत प्रगति ट्रस्ट को विज्ञापन शुल्क अथवा सदस्यता शुल्क सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर करते है। उनसे अनुरोध है कि वे कृपया इसके भुगतान की सूचना व विवरण व्हाट्सएप्प न. 9549656438 पर अवश्य देवे।
जिससे कि यह ज्ञात हो सके कि यह राशि किसके द्वारा किस मद में डाली गई है।
इस सूचना के अभाव में जमा राशि का समायोजन नहीं हो पाता है। जिन्होंने पहले ऑनलाइन जमा कराया है वे भी कृपया सूचना दे तथा भविष्य में जमा राशि की सूचना दे कर सहयोग करें।

-कोषाध्यक्ष

शादी के बाद ससुराल में बनाएं अपनी खास पहचान

किसी भी लड़की के जीवन में शादी का निर्णय सबसे महत्वपूर्ण होता है। भारतीय परिवारों में तो लड़कियों को बचपन से ही मानसिक रूप से तैयार कर दिया जाता है कि पराए घर जाना है एवं परिवार में सामंजस्य रखना सिखाया जाता है। फिर भी शादी का समय नजदीक आते-आते लड़कियों में अपने ससुराल व पति को लेकर तनाव हो जाता है, हो भी क्यों ना! शादी के बाद सब कुछ बदल जो जाता है। एक पौधे को भी जब उखाड़कर दूसरी जगह पर लगाया जाता है तो उसे भी वहाँ की मिट्टी, हवा एवं पानी में सामंजस्य बिठाने में समय लगता है। तो भला एक लड़की के लिए यह सब इतना आसान कहाँ होता है। जबकि वह जानती है कि एक नई बहू से कितनी ज्यादा उम्मीदें होती हैं और सब का ध्यान भी उसी की तरफ रहता है।

अपनी शादी को लेकर जहाँ लड़की के मन में कई सपने होते है, वहीं कुछ डर भी होते हैं जैसे कि उसे ससुराल में जाकर क्या करना चाहिए? वह अजनबी लोगों के बीच अपनापन महसूस कर पाएगी या नहीं? ऐसे कई सवाल होते हैं, जो एक नई-नवेली दुल्हन के मन में आते है। अगर किसी लड़की की शादी होने जा रही है और यह सोच आपको डरा रही है तो हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिन पर अमल करके ससुराल में अपनी एक अलग पहचान बनाई जा सकती है-

1. मायके में ससुराल की शिकायत न करें : कभी भी ससुराल वालों की, मायके वालों के सामने निंदा या तुलना आदि अपने मायके वालों से न करें। अगर आप ऐसा करती है तो इससे आपकी परेशानियां बढ़ सकती है। इसलिए अपने ससुराल की परेशानियों का हल स्वयं ही ढूंढे।

2. सास-ससुर को दें आदर-सम्मान : शादी के बाद सास-ससुर ही एक बहु के माता-पिता होते हैं। इनके साथ लंबा समय बिताना होता है। इसलिए रिश्तों में मधुरता और प्रेम बनाये। अपनी तरफ से कोई ऐसा काम न करें जिससे उन्हें ठेस पहुंचे। यदि सास को माँ समान समझें तो निश्चित ही मायके जैसा प्यार, ससुराल में भी मिलेगा। **क्योंकि सास भी कभी बहू थी।** बहू को हमेशा अपने व्यवहार में शांत रहना चाहिए ताकि ससुराल वालों के सामने अच्छी छवि बनी रहे।

3. परिवार में हिलमिलकर

बातचीत करें : माना कि शादी के बाद सुसराल में बहू हर किसी से अनजान होती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह अकेले में बैठी रहे और किसी से बातचीत ही न करें। अगर ससुराल वालों से घुलेगी-मिलेगी नहीं तो उनके विचारों का कैसे पता लगाएगी? इसलिए अपने ससुराल वालों से मिले-जुले व उन्हें समझने की कोशिश करें।

4. सुबह जल्दी उठे और अभिवादन करें : नई बहु को सुबह जल्दी उठना चाहिए तथा अपने से बड़ों का अभिवादन करके आशीर्वाद लेना चाहिए। इससे ससुराल वालों को अच्छा लगेगा एवं आपके प्रति प्यार बढ़ेगा। इसलिए शादी के बाद प्रारम्भिक दिनों में ही अपनी अच्छी छवि अपने ससुराल वालों के दिलों में स्थापित करें।

5. ससुराल के हिसाब से अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें : आपको अपनी दिनचर्या ससुराल के हिसाब से व्यवस्थित करनी चाहिए। कुछ दिनों के अंदर नववधू ससुराल में सभी सदस्यों के व्यवहार से अवगत हो जाएगी। घर के सदस्यों के बारे में बहुत जल्दी में कोई राय कायम न करें।

6. ससुराल के प्रति सकारात्मक सोच रखें : अपने मन में ससुराल वालों को लेकर कोई गलत विचार न आने दें। कहते है कि जैसी सोच रखो सब वैसा ही होता है। इसलिए बेहतर होगा कि अपनी सोच को सकारात्मक रखें तथा नकारात्मक विचारों को नहीं आने दें। प्यार के साथ अपने ससुराल वालों का दिल जीतने की कोशिश करें। इससे आप भी खुश रहेगी और ससुराल वाले भी।

7. सदैव रिश्तों को महकाने की कोशिश : कभी भी खुद पर घमंड न करें। कहते है जिन रिश्तों में घमंड आ जाता है वह ज्यादा समय तक नहीं टिक पाते। अपने देवर-ननद से भाई-बहिन जैसा व्यवहार करें ताकि घर में तनाव एवं लड़ाई-झगड़े की आशंका भी नहीं रहे।

8. किस्मत को न कोसे : ऐसा जरूरी नहीं कि जैसा आपने अपने ससुराल वालों के बारे में सोचा हो वैसा ही हो। उनके और आपके विचारों में काफी अंतर हो सकता है। अगर ससुराल वाले ऐसे न हो तो अपने नसीब को कोसने के बजाय अपनी परिस्थितियों को सुधारने की कोशिश करें, ताकि आप अपनी शादीशुदा जिंदगी को अच्छे से निभा पाएँ।

9. ससुराल में घर के काम में हाथ बटाएं : एक नववधू अधिक पढ़ी-लिखी होने के उपरान्त भी यदि अपने ससुराल में घर के कामकाज विशेषकर रसोई में खाना एवं कुछ नए पकवान बनाने में सहयोग

करती है तो यह ससुराल में उसकी अच्छी छवि स्वत: बन जाती है।

- सोनम कुमावत,
बरकत नगर, जयपुर

युवा होते बच्चों का परिवेश

युवा होते बच्चों में शारीरिक परिवर्तन के साथ-साथ स्वभाव परिवर्तन तो होता ही है साथ ही उनका सामाजिक दायरा भी बदलता है। ऐसे में उसकी निजता को भंग ना करते हुए, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि उसकी संगत किस तरह के व्यक्तियों से है।

युवा होते बच्चों को स्वतंत्र छोड़े ताकि उनको अपनी जिम्मेदारी का एहसास हो सके, पैसे की कीमत समझ सके, मेहनत करना सीख सकें। उन्हें अपने फैसले लेने दें, उन पर थोपे नहीं, बच्चा जब अपने फैसले खुद से लेगा तो उसे अपने अंदर एक जिम्मेदारी का एहसास होने लगेगा, उसे महसूस होगा कि यह फैसला जो उसने लिया है उसे सही साबित करने में वह पूरी कोशिश करेगा। युवा होते बच्चे को फैसले लेने देना, एक जिम्मेदार नागरिक बनाने की कड़ी में महत्वपूर्ण कदम है।

अपनी गलतियों से सीखना उन्हें ज्यादा अच्छा लगेगा अपितु हम उस पर अपने फैसले थोपे। हमें अपने अनुभव और ज्ञान को सरल भाषा में बताकर फैसला उस पर छोड़ना चाहिए। यह प्रक्रिया बहुत धीमी है। अत: बच्चों की बहुत ही कम उम्र से हमें यह शुरुआत करनी होगी। जब 18 वर्ष की आयु होने पर सरकार द्वारा चुनाव में उम्मीदवार को चुनने का अधिकार मिल जाता है तो हम उसे उसके फैसले क्यों नहीं करने देते? फैसला गलत या सही यह तो परिणाम ही तय करता है और अभिभावक फैसले सही ही लेंगे यह क्या गारंटी है? बच्चों को बड़ा सपना देखने के लिए प्रेरित करें, ना कि उसे डराए कि तुम नहीं कर सकते। उसमें विश्वास दिखाएं कि वह कर सकता है।

आपको समझदारी, ज्ञान व विचारशीलता से काम लेना आवश्यक है। बच्चे की मूल प्रवृत्ति तथा प्रतिभा को पहचानने के बाद उसके अनुरूप उसे विकसित होने की दिशा में साधन और सुविधाएं उपलब्ध कराएं । अपने परिवार और घर का परिवेश ऐसा बनाएं कि बच्चा आप से डरे नहीं । अपनी बात खुलकर आपके सामने रख सके उसे दुनिया के ढर्रे पर चलना ना सिखाएं। अपना रास्ता, अपनी राह चुनने का हौसला प्रदान करें । अपने सामाजिक स्तर या सामाजिक प्रतिष्ठा के दिखावे में बच्चे की प्रतिभा को अनदेखा ना करें। उसके सपनों को समझकर उन्हें पंख देना अभिभावक की जिम्मेदारी है, आपकी छत्रछाया व आशीर्वाद से वह अपनी मंजिल अवश्य पा लेगा।

कुछ गलत होने पर या गलत करने पर उसे आरोपित ना करें बल्कि बैठ कर बात करें। घबराए नहीं की बच्चा अपने कार्य में असफल होगा। सर्वप्रथम यदि वह सफल होता है तो संभालने के लिए माता-पिता हैं तथा असफलता से बालक ऐसी परिस्थितियों का सामना करना भी सीखता है। उसे हार स्वीकार करना भी आना चाहिए साथ ही जब वह स्वयं असफल होता है या हारता है तो वह अपने माता-पिता को उस परिस्थिति में लोगों के उलहाने और ताने सुनते हुए देखता है तो उसे बहुत सी बातें हैं जो शब्दों में नहीं समझाई जा सकती हैं वह भी समझ में आ जाती हैं और उसे समझ में आने लगता है की दुनिया आपकी असफलता पर किस तरह की प्रतिक्रिया देती है।

माता-पिता नैतिक मूल्यों, अनुशासन तथा अच्छे शिष्टाचार के बीज बच्चे में बचपन से ही बो देते हैं। सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत अभिभावक अपने बच्चों में सकारात्मकता का गुण विकसित कर सकते हैं, जिससे बच्चा मानसिक बीमारी से दूर रहे जो कि आजकल युवा होती पीढ़ी में देखी जा रही है।

– **रवीना कुमावत,** बूंदी

देश पर गर्व करें

एक नवजागरण सा शुरू हो गया है बुद्धिजीवियों के मध्य कि हम अपनी संस्कृति, अपने इतिहास, देशभक्त, अध्यात्मक, विरासत को पहचाने और समझें यहां तक की पाठ्यपुस्तकों में भी विदेशी आक्रांताओं के महिमामंडन को सिरे से नकारा जा रहा है। नकारा जा रहा है उनको जिन्होंने देश की गौरवशाली स्थापत्यकला को नुकसान पहुंचाया है।

हम अपने इतिहास को गहराई से खंगालें तो इसमें कोई शक नहीं की यह अत्यंत गौरवशाली है जो आज पूरे विश्व में अपनी मिसाल कायम कर सकता है। इसने कई महान विद्वान, विदुषियाँ समाज सुधारक, आर्टिस्ट और वैज्ञानिक दिए हैं, वहीं एक ठोस संस्कृति हमें विरासत में दी है।

आज के परिप्रेक्ष्य में तो हमें इसे कतई नहीं भूलना चाहिए कि हम दूसरों की देखा-देखी हमारे स्वयं के इतिहास में स्थापित संस्कृति, वेद, उपनिषद, गीता, रामायण से दूर होकर नैतिक पतन की और अग्रसर हो चुके हैं। कई सामाजिक समस्याएँ जिनका जिक्र आम है, समय समय पर प्रकाशित होती रही है तो इसमें अतिश्योक्ती नहीं की हम हमारी आत्मा अर्थात् इतिहास की महिला को जानें, इससे जुड़े और हमारी आने वाली पीढ़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाएं, किंतु पहले हम गर्व से कहना सीखें कि मुझे मेरे देश और इसकी संस्कृति पर गर्व है।

– **भारती तोंदवाल**

स्त्रियों के बाल सुंदरता और सौभाग्य का प्रतीक

खुले बाल, शोक और अशुद्दि की निशानी

यत्र नार्येषु पूजतः रमन्ते तत्र देवताः

आजकल माताएं-बहने फैशन के चलते कैसा अनर्थ कर रही है। रामायण में बताया गया है, जब देवी सीता का श्रीराम से विवाह होने वाला था, उस समय उनकी माता सुनयना ने उनके बाल बांधते हुए उनसे कहा था, विवाह उपरांत सदा अपने केश बांध कर रखना। बंधे हुए लंबे बाल आभूषण सिंगार होने के साथ साथ संस्कार व मर्यादा में रहना सिखाते हैं। ये सौभाग्य की निशानी है, एकांत में केवल अपने पति के लिए इन्हें खोलना।

हजारों लाखों वर्ष पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने शोध कर यह अनुभव किया कि सिर के काले बाल को पिरामिड नुमा बनाकर सिर के उपरी ओर या शिखा के उपर रखने से वह सूर्य से निकली किरणों को अवशोषित करके शरीर को ऊर्जा प्रदान करते है। जिससे चेहरे की आभा चमकदार, शरीर सुडौल व बलवान होता है। यही कारण है कि गुरुनानक देव व अन्य सिक्ख गुरूओ ने बाल रक्षा के असाधारण महत्त्व को समझकर धर्म का एक अंग ही बना लिया। लेकिन कभी भी बाल को खोलकर नही रखे, ऋषि मुनियों व साध्वीयों ने हमेशा बाल को बांध कर ही रखा। भारतीय आचार्यो ने बाल रक्षा का प्रयोग, साधना काल में ही किया इसलिए आज भी किसी लंबे अनुष्ठान, नवरात्री पर्व, श्रावण मास, तथा श्राद्ध पर्व आदि में नियम पूर्वक बाल रक्षा कर शक्ति अर्जन किया जाता है।

महिलाओं के लिए केश सवांरना अत्यंत आवश्यक है उलझे एवं बिखरे हुए बाल अमंगलकारी कहे गए है। कैकई का कोप भवन में बिखरे बालों में रुदन करना और अयोध्या का अमंगल होना हमने पढ़ा है।

पति से वियुक्त तथा शोक में डुबी हुई स्त्री ही बाल खुले रखती है - जैसे अशोक वाटिका में सीता, रजस्वला स्त्री, खुले बाल रखती है, जैसे-

चीर हरण से पूर्व द्रोपदी , उस वक्त द्रोपदी रजस्वला थी, जब दु:शासन खींचकर लाया तब द्रोपदी ने प्रतिज्ञा की थी कि वह अपने बाल तब बाँधेगी जब दु:सासन के रक्त से धोएगी।

जब रावण देवी सीता का हरण करता है तो उन्हें केशों से पकड़ कर अपने पुष्पक विमान में ले जाता है। अत: उसका और उसके वंश का नाश हो गया। महाभारत युद्ध से पूर्व कौरवों ने द्रौपदी के बालों पर हाथ डाला था, उनका कोई भी अंश जीवित न रहा।

कंस ने देवकी की आठवीं संतान को जब बालों से पटक कर मारना चाहा तो वह उसके हाथों से निकल कर महामाया के रूप में अवतरित हुई। कंस ने भी अबला के बालों पर हाथ डाला तो उसके भी संपूर्ण राज-कुल का नाश हो गया।। सौभाग्यवती स्त्री के बालों को सम्मान की निशानी कही गयी है।

दक्षिण भारतीय की कुछ महिलाएं मन्नत-संकल्प आदि के चलते तिरुपति बालाजी में केश मुंडन करवा लेती हैं। लेकिन भारत के अन्य क्षेत्रों में ऐसी कोई प्रथा नहीं है । कोई महिला जब विधवा हो जाती हैं तभी उनके बाल छोटे करवा दिए जाते हैं या जो विधवा महिलायें अपने पति के अस्थि विसर्जन को तीर्थ जाती है। वे ही बाल मुंडन करवाती है अर्थात विधवा ही मुण्डन करवाती हैं , सौभाग्यवती नहीं।

गरुड पुराण के अनुसार बालों में काम का वास रहता है। बालों का बार बार स्पर्श करना दोष कारक बताया गया है। क्योंकि बालों को अशुद्धी माना गया है इसलिये कोई भी जप अनुष्ठान, चूड़ाकरण, यज्ञोपवीत आदि-आदि शुभाशुभ कृत्यों में क्षौर कर्म कराया जाता है तथा शिखाबन्धन करने के पश्चात हस्त प्रक्षालन कर शुद्ध किया जाता है।

दैनिक दिनचर्या में भी स्नान पश्चात बालों में तेल लगाने के बाद उसी हाथ से शरीर के किसी भी अंग में तेल न लगाएं हाथों को धो लें। भोजन आदि में बाल आ जाय तो उस भोजन को ही हटा दिया जाता है।

मुण्डन या बाल कटाने के बाद शुद्ध स्नान आवश्यक बताया गया है। बडे यज्ञ अनुष्ठान आदि में मुंडन तथा हर शुद्धिकर्म में सभी बालो (शिर, मुख और कक्ष) के मुण्डन का विधान हैं ।

बालों के द्वारा बहुत सी तन्त्र क्रिया होती है जैसे वशीकरण यदि कोई स्त्री खुले बाल करके निर्जन स्थान या... ऐसा स्थान जहाँ पर किसी की अकाल मृत्यु हुई है.. ऐसे स्थान से गुजरती है तो अवश्य ही प्रेत बाधा का योग बन जायेगा।

वर्तमान समय में पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से महिलाये खुले बाल करके रहना चाहते हैं, और जब बाल खुले होगें तो आचरण भी स्वछंद ही होगा। भारतीय महिलाओं में भी इस फैशन रुपी कुप्रथा का प्रवाह शुरु हो चुका है।

अनेक वैज्ञानिकों जैसे इंग्लैंड के डॉ स्टैनले हैल , अमेरिका के स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ गिलार्ड थॉमस आदि ने पश्चिम देश के महिलाओं की बड़ी संख्या पर निरीक्षण के आधार पर लिखा कि केवल 4 प्रतिशत महिलायें ही शारीरिक रूप से पत्नी व माँ बनने के योग्य है शेष 96 प्रतिशत स्त्रियाँ, बाल कटाने के कारण पुरुष भाव को ग्रहण कर लेने के कारण माँ बनने के लिये अयोग्य है।

संकलनकर्ता, **मेघना कुमावत,** सिविल लाईन्स, जयपुर

जलेबी

जलेबी! एक ऐसा शब्द जो बोलते ही मुँह मे मिठास घोल देती है। आकार में गोल, पेचदार और रस से भरी हुई। जलेबी उत्तर भारत, पाकिस्तान व मध्यपूर्व की लोकप्रिय मिठाई/व्यंजन मानी जाती है। इस मिठाई की धूम भारतीय उपमहाद्वीप से शुरू होकर पश्चिमी देश स्पेन तक जाती है। इस बीच भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ तमाम अरब मुल्कों में भी यह खूब जानी-पहचानी है। आमतौर पर जलेबी सादा ही बनाई व पसंद की जाती है, पर पनीर या खोया व मावा जलेबी को भी लोग बडे चाव से खाते हैं। कई लोग जलेबी को भारत की राष्ट्रीय मिठाई भी कह देते हैं। जलेबी में जल तत्व की अधिकता होने से इसे जलेबी कहा जाता है। मानव शरीर में 70 फीसदी पानी होता है, इसलिए इसे खाने से जलतत्व की पूर्ति होती है। जलेबी को रोगनाशक औषधि भी बताया है। गर्म जलेबी चर्म रोग की बेहतरीन चिकित्सा है।

उत्तर भारत का सबसे लोकप्रिय व्यंजन है। भारत की जलेबी अब अंतर्राष्ट्रीय मिठाई है। 300 वर्ष पुरानी पुस्तकें 'भोजनकटुहला' एवं संस्कृत में लिखी 'गुण्यगुणबोधिनी' में भी जलेबी बनाने की विधि का वर्णन मिलता है। घुमंतू लेखक श्री शरतचंद पेंढारकर ने जलेबी का आदिकालीन भारतीय नाम कुण्डलिका बताया है। वे बंजारे बहुरूपिये शब्द और रघुनाथ कृत 'भोजन कौतूहल' नामक ग्रन्थ का भी हवाला देते हैं। इन ग्रंथों में जलेबी बनाने की विधि का उल्लेख है। ''मिष्ठान भारत की जान'' जैसी पुस्तकों में जलेबी रस से परिपूर्ण होने के कारण इसे जलवल्लिका नाम मिला है। जैन धर्म के ग्रन्थ 'कर्णपकथा' में भगवान महावीर को जलेबी नैवेद्य लगाने वाली मिठाई माना जाता है।

जलेबी तेरे कितने नाम : जलेबी भारत में ही नहीं दक्षिण एशिया के बहुत से देशों में बड़े चाव से खाई जाती है। इसे अलग-अलग नाम से पुकारा जाता है। देश और समुदाय के हिसाब से इसके स्वाद में भी थोड़ा बदलाव आ जाता है लेकिन करीब-करीब बनाने का तरीका ऐसा जैसा ही है। संस्कृत में कुण्डलिनी, अंग्रेजी में जलेबी को स्वीट्मीट (Sweetmeet) और सिरप फील्ड रिंग कहते हैं, महाराष्ट्र में जिलबी, बंगाल में जिलपी तथा जलेबी का भारतीय नाम जलवल्लिका भी है, जलेबी के भेद का वेदों में भी उल्लेख मिलता है। महिलाएँ अपने केशों से 'जलेबी जूड़ा' भी बनाती हैं।

जलेबी का जलवा : बंगाल में पनीर की, बिहार में आलू की, उत्तरप्रदेश में आम की, म.प्र. के बघेलखण्ड-रीवा, सतना में मावा की जलेबी खाने का प्रचलन है, कहीं-कहीं चावल के आटे और उड़द की दाल की जलेबी भी प्रचलित है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूध-जलेबी का नाश्ता काफी प्रसिद्ध हैं।

जलेबी तेरे रूप अनेक : जलेबी डेढ अण्टे, ढाई अण्टे और साढे तीन अण्टे की होती है। अंगूर दाना जलेबी, कुल्हड़ जलेबी आदि की बनावट वाली गोल-गोल बनती है।

जलेबी से तात्पर्य : जलेबी दो शब्दों से मिलकर बनता है। जल्एबी अर्थात् यह शरीर में स्थित जल के ऐब (दोष) दूर करती है। शरीर में आध्यात्मिक शक्ति, सिद्धि एवं ऊर्जा में वृद्धि कर स्वाधिष्ठान चक्र जागृत करने में सहायक है। जलेबी के खाने से शरीर के सारे ऐब (रोग दोष) जल जाते हैं जलेबी एक औषधि भी है यह शरीर में जल के ऐब, जलोदर की तकलीफ मिटाती है। जलेबी की बनावट शरीर में कुण्डलिनी चक्र की तरह होती है।

अघोरी की तिजोरी : अघोरी सन्त आध्यात्मिक सिद्धि तथा कुण्डलिनी जागरण के लिए सुबह नित्य जलेबी खाने की सलाह देते हैं। मैदा, जल, मीठा, तेल और अग्नि इन 5 चीजों से निर्मित जलेबी में पंचतत्व का वास होता है। जलेबी खाने से पंचमुखी महादेव, पंचमुखी हनुमान तथा पाँच फनवाले शेषनाग की कृपा प्राप्त होती है। अपने ऐब (दोष) जलाने, मिटाने हेतु नित्य जलेबी खाना चाहिये। वात-पित्त-कफ यानि त्रिदोष की शांति के लिए सुबह खाली पेट दही के साथ, वात विकार से बचने के लिए-दूध में मिलाकर और कफ से मुक्ति के लिए गर्म-गर्म चाशनी सहित जलेबी खानी चाहिए।

रोग निवारक जलेबी

- जो लोग सिरदर्द, माईग्रेन से पीड़ित हैं वे सूर्योदय से पूर्व प्रात: खाली पेट 2-3 जलेबी चासनी में डुबोकर खायें व पानी नहीं पीएं। सभी तरह के मानसिक विकार जलेबी के सेवन से नष्ट हो जाते हैं।
- जलेबी पीलिया से पीड़ित रोगियों के लिए चमत्कारी औषधि है। इसको प्रात:काल खाने से पांडुरोग दूर हो जाता है।
- जिन लोगों के पैर की बिवाई फटने या त्वचा निकलने की परेशानी रहती हो तो वे 21 दिन लगातार जलेबी का सेवन करें।

आयुर्वेदिक जड़ी बूटी जलेबी : जंगली जलेबी नामक फल उदर एवं मस्तिष्क रोगों का नाश करता है। भावप्रकाश निघण्टु में उल्लेख है-

जो जंगल जलेबी खावै, दु:ख संताप मिटावै।
जलेबी खाये जगत गति पावै।।

जलेबी बनाने हेतु आवश्यक सामग्री व विध : मैदा 900 ग्राम, उड़द दाल 50 ग्राम पानी में गला कर पीस कर 500 ग्राम मैदा में 50 ग्राम दही मिलाकर दो दिन पूर्व खमीर हेतु घोल कर रखे शेष मैदा जलेबी बनाते समय खमीर में मिलाये शक्कर करीब 1 किलो 300-400 डस् पानी में डालकर चाशनी बनाये। जलेबी को बहुत स्वादिष्ट बनाने के लिए चाशनी में एक चम्मच नीबू का रस और केशर मिला सकते हैं।

- अमिता कुमावत

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/131 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

20 अक्टूबर श्री राजेश नगरिया,निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़
20 अक्टूबर श्री सांवरमल आसीवाल, चौमूं, जयपुर
20 अक्टूबर श्री कन्ठेयालाल भौरोदिया,झोटवाड़ा, जयपुर
22 अक्टूबर श्री शीतल प्रसाद खोरानिया, झोटवाड़ा, जयपुर
22 अक्टूबरश्री ओम प्रकाश धीरपुरिया, गोविन्दगढ़, जयपुर
25 अक्टूबर श्री दयानन्द घटेलवाल, त्रीनगर, दिल्ली
26 अक्टूबर, श्रीमती गोपाली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री सूरजमल कारगवाल, जयपुर
29 अक्टूबर श्रीमती प्रेमदेवी धर्मपत्नी श्री गिरिराज अडानिया, किशनगढ़
29 अक्टूबर श्री मुकेश ऊंटवाल, उदयपुर
30 अक्टूबर श्री प्रहलाद गैदर, विनाबो बस्ती, बरकत नगर, जयपुर
30 अक्टूबर श्रीमती भोली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री छाछूराम बालोदिया, जयपुर
31 अक्टूबर श्रीमती रुकमणी देवी अजमेरा, उदयपुर
31 अक्टूबर श्रीमती दुर्गा देवी साड़ीवाल, उदयपुर
1 नवम्बर श्रीमती लक्ष्मीबाई सिंघनवाल, उदयपुर
1 नवम्बर श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी श्री रामगोपाल माचीवाल, अजमेर
1 नवम्बर श्रीमती नर्मदा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री लल्लूराम नींदड़, जयपुर

1 नवम्बर श्रीमती गायत्रीदेवी धर्मपत्नी श्री भगवान सहाय मारोठिया, जयपुर
1. नवम्बर श्री प्रेमनारायण मालवा, भील, इन्दौर
2 नवम्बर श्री दोल्तराम अनावड़िया, किशनगढ़, अजमेर
2 नवम्बर श्री गोरधन लाल जेठीवाल, सांभर
6 नवम्बर श्रीमती कौशल्या देवी धर्मपत्नी श्री ओमप्रकाश सारड़ीवाल, जयपुर
6 नवम्बर श्रीरमेश चन्द्र धुंधरिया, सिरसी, जयपुर
7 नवम्बर श्रीमती नरीदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री देवीनारायण, सवाईमाधोपुर
7 नवम्बर श्री सुरेन्द्र कुमार मारवाल, गोविन्दपुरा, जयपुर
9 नवम्बर श्री सीताराम सुनारिया, चित्तौड़गढ़
10 नवम्बर श्रीमती कृतिका धर्मपत्नी रोहित बैरा, टोंक फाटक, जयपुर
10 नवम्बर श्री मदनलाल कारगवाल, बिचून वाले, हीरापुरा, जयपुर
10 नवम्बर श्री शंकरलाल पालडिया, उदयपुर
12 नवम्बर श्री चम्पालाल (फालनावाले), अजमेर रोड, जयपुर
14 नवम्बर श्री भागचन्द बासनीवाल खारिया, पोस्ट कोठी बाया जोबनेर, जयपुर
15 नवम्बर श्री लाल चन्द जलांधरा, खातीपुरा, कुमावत बाड़ी, जयपुर
16 नवम्बर श्री शांतिलाल हटवा, जयपुर
17. नवम्बर श्रीमती विशाखा धर्मपत्नी नीन बड़ीवाल, जयपुर
18 नवम्बर श्री नवरतन कुमावत पुत्र श्री बाबूलाल राहोरिया, जयपुर
19. नवम्बर श्रीमती कृष्णा देवी, पत्नी श्री महेन्द्र कुमार बड़ीवाल, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
कपिल	B.Tech	BDA in Pvt. Ltd.	12.6.92	6'0''	मारवाल	देवतवाल	किरोड़ीवाल	दौराया	9414821435	जयपुर
ओमशरण	Deploma (civil)	Designer Pvt.Ltd.	9.5.92	5'5''	खण्डारिया	भरतल्या	मारवाल	जालवाल	9413205874	जयपुर
निखलेश	B.Com.	Railway service	13.9.94	5'8''	मारोठिया	सारड़ीवाल	किरोड़ीवाल	जलान्धरा	9926027440	इन्दौर
हेमराज	B.A. ITI	Private	12.7.90	5'4''	डाबडिया	सरसिया	दौराया	रावरिया	9782821200	कोटा
देवेन्द्र	B.Tech(Civil)	J.En. in BRO.	1.7.94	5'10''	दज़्बीवाल	मारोठिया	कुसुज़्बीवाल	बालोदिया	9314616716	जयपुर
रचित	B.Tech (Ec.)	Enginer in Pvt. Ltd.	17.7.94	5'8''	टांक	खोराणिया	बबेरीवाल	मंडावरा	9351767706	उदयपुर
मनोज	B.Com.	Accountant	25.5.92	5'4''	सिधाणिया	कारगवाल	मनेठिया	भौरोदिया	9887952449	जयपुर
विकास	MBA	Sales Manager	9.7.97	5'6''	मारवाल	तूनवाल	घोड़ेला	मारोठिया	9782285020	पावटा
देवेन्द्र	B.Com.,MBA	Private	31.10.90	5'8''	घोड़ीवाल	नोखवाल	गोयल	आयाच	9755230208	उज्जैन
पंकज	B.Com.	Accountant work	18.10.92	-	कुलचानिया	सिरसवा	घोड़ेला	विरथल्या	7014333922	जयपुर
सौरभ	M.Com.	Accountant work	16.10.91	5'9''	खोवाल	गैदर	मारोठिया	जालवाल	6375062901	जयपुर
मोहित	B.Com. LLB	Advocate	30.10.94	6'0''	लोहरवाड़िया	मारवाल	जलान्दरा	उजीवाल	9826210135	इदौर
जयसिंह	M.Com.	Video Editing	16.7.88	5'5''	धमूनिया	मारोठिया	कुदीवाल	होदकास्या	9928829760	
सचिन	M.Com (EAFM)	-	28.12.90	-	जलान्दरा	कठूमरा	खाटूवाल	मनेठिया	9829456779	जयपुर
डॉ. अजय	B.HMS	Homeo Clinic	3.10.92	5'11''	दादरवाल	खटवालिया	गुरी	मरोडिया	9414984693	पिलानी
राकेश	B.A.	Private shop	1.8.88	5'4''	मनीठिया	बैडवाल	बीरथलिया	कांटीवाल	9549879727	झुंझुनूं
भास्कर	10th	Medical Agency	24.11.88	-	भेड़ीवाल	खंडारिया	कैकटिया	बड़ीवाल	8619593989	
अंशुल	M.A.	Pricate Ltd. comp	19.3.98	5'7''	ज़्याड़वाल	बंशीवाल	होदकास्या	मारोठिया	6376639090	

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
डॉ. आरती	MBBS	Pre for PG	03.06.94	5'3''	धुंधारिया	दज़्बीवाल	भाधानिया	नरानिया	9461714657	जयपुर
अंतिमाबाला	MPED	Central Govt.Service	17.7.93	5'4''	मारू	रेनवाल	भंडारा	सिद्ध	9977137123	धार
पूजा	M.Com. MBA	CS,PGDCA	31.8.91	5'4''	घोड़ेला	सिधार	चान्दोला	टाँक	9826486861	मंदसौर
स्नेहा	M.Com.	Art &Craft works	11.9.97	5'0''	खरनारिया	जायलवाल	रेनीवाल	घोड़ेला	8769595336	भीलवाड़ा
नीलम	M.A., M.Ed.	Lecturar	14.7.88	5'4''	किरोड़ीवाल	बीवाल	घोड़ेला	मारवाल	9828854830	सीकर
आरती	M.Com.RSCT	-	22.1.98	5'0''	जायलवाल	मारोठिया	केलुगुरिया	राहोरिया	9785297653	ज़्यावर
अनुभा	M.Com.	-	25.3.93	5'3''	बालोदिया	बबेरीवाल	अजमेरा	कारगवाल	9414250972	जयपुर
डिज़्पल	M.A. PG DLC	-	19.6.88	5'1''	बबेरीवाल	धुंधारिया	कैकट्या	तूंदवाल	7877385443	जोधपुर
दिव्या	B.Tech.	-	26.6.91	5'3''	भौरोदिया	छाबल्या	खूंखवाल	खाटूवाल	9414078198	जयपुर
अदिती	MBA	Asstt. sales manager	5.8.90	5'4''	देवतवाल	खोरानिया	घोड़ेला	केकटिया	9828142731	जयपुर
मोहना	MBA	Accounts 25000/-	23.6.96	5'1''	नागा	मारोठिया	तुनगरिया	जलान्धरा	9829266185	जयपुर
आंचल	M.Com., CA	Account Asstt.	8.12.92	4'11''	धमुनिया	जेठीवाल	गुडीवाल	नागा	9314418204	जयपुर
हितिका	2nd year Graphic	Disigner student	1.2.99	5'7''	खड़गटा	खोरानिया	जेठीवाल	बड़ीवाल	9829206886	जयपुर
शीवानी	B.E.,ME(DC)	-	17.10.93	5'0''	धनेरिया	बारोदिया	केकट	अनीया	9893318054	उज्जैन
प्रीति	M.Sc.B.Ed.	-	23.11.95	5'1''	उदयवाल	मारोठिया	मारवाल	केलूगरिया	9414236451	दूदू
पूजा	M.A., MET	Asstt, Profesor	12.1.88	5'2''	अनावड़िया	सांखला	अडानिया	देवतवाल	9460814992	जोधपुर
शेली	MCA	-	31.7.90	5'2''	घोड़ेला	परमवाल	सिरस्वा	कुकुडवाल	7023562620	जयपुर
नीलम	M.A. Final Fashion	Deginer	7.5.94	5'1''	दौराया	राजोरिया	जूनवाल	घोड़ेला	9784939991	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें। -सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ कुमावत अवश्य लगाएं। क्योंकि गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत की एक लाईन में श्रद्धांजलियाँ नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है इस हेतु पत्रिका के कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें।

सदस्यता समाप्ति सूचना

तीन वर्षीय सदस्य मार्च 2021 तक क्र.सं. 1 से 427 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

डॉ. सुनीता कुमावत

डॉ. सुनीता कुमावत व्याख्याताचित्रकला राजकीय उ.मा. विद्यालय, कुंडल, दौसा ने अपने चित्रों से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। इनके बनाए कार्टून चित्रों के लिए जिला कलेक्टर दौसा ने इन्हें वर्ष 2019, 2020 एवं 2021 में मतदान दिवस पर सम्मानित किया है। इनके स्केच, कार्टून व रंगोली की चुनाव आयोग ने भी सराहना की है।

आपका जन्म श्रीमती कस्तूरी देवी श्री श्रवणलाल ग्राम लक्ष्मीनारायणपुरा तहसील आमेर, जयपुर के परिवार में 15 जुलाई, 1985 को हुआ। प्राथमिक शिक्षा गांव के राजकीय विद्यालय से गहण की। स्नातक महारानी कॉलेज जयपुर तथा स्नातकोत्तर राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से चित्रकला विषय में प्रथम श्रेणी में किया। तत्पश्चात डॉ. तनुजा सिंह हाल विभागाध्यक्ष चित्रकला राजस्थान विश्वविद्यालय के नेतृत्व में रामायण के चित्रों पर पीएचडी (डाक्टरेट) किया। आपने नेट व सेट भी किया है। **आप किसी भी व्यक्ति का हूबहू चित्र बनाने के साथ यथार्थवादी वस्तु चित्रण में दक्ष कलाकार हैं।** सुनीता कुमावत के चित्रों में विषय की विविधता, देश काल के अनुरूप प्रकृति चित्रण, ग्राम जीवन की सभ्यता, संस्कृति का परिवेश चित्रण बखुबी मिलता है। फड चित्रण, ग्लास पेंटिंग, मिनिएचर पेंटिंग तथा किशनगढ़ शैली में राधाकृष्ण के चित्रण एक अलग छवि इनके चित्रों में पाई जाती है।

आपको राजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा 2018 में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र दिया गया। शिक्षक दिवस 2017 पर आपको बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत जिला परिषद दौसा में 2019 में प्रशस्ति पत्र दिया। राजस्थान विश्वविद्यालय ड्राइंग एण्ड पेंटिंग विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार में मेवाड़ लघुचित्र शैली में रामायण चित्रों में संयोजनात्मक तत्व सम्बन्धी पेपर प्रस्तुती दी।

राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की चित्रकार डॉ. सुनीता कुमावत ने समाज को गौरान्वित किया है। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका इनकी योग्यता की प्रशंसा करते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

मनीष ने कृषि के क्षेत्र में सबसे कम उम्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

दांतारामगढ़ (सीकर) के मनीष कुमावत ने कृषि के क्षेत्र में सबसे कम उम्र में भारत का पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब हासिल किया है। दांतारामगढ़ (सीकर) निवासी मनीष कुमावत ने दुनिया का सबसे लंबा ग्वार 4 मीटर 38 सेंटीमीटर उगा कर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। मनीष ने कृषि क्षेत्र में यह उपलब्धि सबसे कम उम्र 23 साल में हासिल की यह भी वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

मनीष कुमावत ने जोबनेर के श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय से बीएससी करने के बाद नए नए शोध कार्य कर रहे हैं।

इस कार्य में माता -पिता, **ताऊजी पद्मश्री सुंडा राम जी वर्मा सहित कृषि क्षेत्र के अधिकारियों का सहयोग रहा है।** जीवन में मनीष का 1 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है।

कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से मनीष कुमावत को वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।

नीट 2021 में सुशील कुमावत चयनित

सुशील कुमावत पुत्र श्री गोपाल कुमावत (शिक्षक) का एमबीबीएस में प्रवेश हेतु नीट 2021 परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 826 वीं व ओबीसी केटेगरी में 190 वीं रेंक तथा प्रतिशत 99.94 अंक के साथ चयन हुआ है।

सुशील की बचपन से डॉक्टर बनकर गांव के गरीब लोगों के इलाज करके देश सेवा करने की इच्छा रही है। सुशील ने सफलता का श्रेय स्वर्गीय दादा-दादी, बड़े पिताजी मिट्ठूलाल जी, माता-पिता, बड़े भाई राम किशन, सुखपाल, अभिषेक व गुरुजनों को दिया है जिनके आशीर्वाद से यह संभव हुआ है।

गाँव अरवड में ग्रामवासियों ने इस खुशी में जुलूस निकाला व आतिशबाजी की। नीट में चयन पर सुशील कुमावत को बधाई।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के लीलाधर कुमावत प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर लीलाधर दोराया निर्वाचित हुए। धार जिले में राजगढ़ एवं भानगढ़ में प्रथम आगमन पर समाज द्वारा इनका भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष लीलाधर जी द्वारा कुमावत समाज के सत्यनारायण मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की, इसके पश्चात क्षत्रिय मेवाडा कुमावत धर्मशाला में बैठक का आयोजित की जिसमें समाज के हित के लिए प्रस्ताव रखे गए। बैठक में सूरजमल जी अडानीया पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ,राजेश जी कुमावत प्रदेश चुनाव प्रभारी परमानंद जी दोराया सदस्य महासभा एवं गिरधारी चौधरी भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं भैंरुलाल जी ,गोवर्धन जी पटेल, शांतिलाल जी नेता ,गजानंद जी, सुभाष जी कुमावत आदि वरिष्ठ जन मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री लीलाधर दोराया को **कुमावत इंडिया** पत्रिका की ओर से बधाई।

सन्नी कुमावत को सचिवालय कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष की शपथ

शासन सचिवालय कर्मचारी संघ की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 16 नवम्बर को कराया गया। जिसमें सन्नी कुमावत को उपाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। सन्नी वार्ड नं.5 सिंगला की ढाणी, चौमू के रहने वाले है।

सन्नी कुमावत को **कुमावत इंडिया** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

राज कुमावत ने सांचू बॉर्डर पर मनाई दिवाली

युवा स्कूटी राइडर अपनी स्कूटी से पिछले 5 वर्षों से अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं पर जाकर दिपावली रक्षा बंधन, नववर्ष आदि

मना रहे हैं। ये अब तक तनोट, बीकानेर, मुनाबाव, गुजरात, अमृतसर आदि स्थानों पर सैनिक भाईयों के साथ त्यौहार मनाते रहे हैं। इस बार राज कुमावत नॉन गियर स्कूटी से सांचू बॉर्डर पर 61 किग्रा मिठाई लेकर गये व दिवाली मनाई। राज का अब लद्दाक जाने का विचार है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका इनकी प्रशंसा करती है तथा इनके जज्बे को सलाम करती है।

'जयपुर पत्रकार सम्मान' महेश (मोना) कुमावत को

वरिष्ठ पत्रकार महेश (मोना) कुमावत को शक्ति फिल्म प्रोडक्शन की ओर से पत्रकारिता के क्षेत्र में जनहित के मुद्दों ो सक्रियता व सकारात्मक रूप से उठाकर सर्वहारा वर्ग के उत्थान के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर ''जयपुर पत्रकार सम्मान''दिया गया। आप अणतपुरा, जयपुर के हैं तथा इस सम्मान मिलने से ग्राम अणतपुरा व कुमावत समाज में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से वरिष्ठ पत्रकार श्री महेश (मोना) कुमावत को बधाई।

विशिष्ट संरक्षक

डॉ. पी.एम. कुमावत

(पुत्र स्व. श्री आनन्दी लाल रेणीवाल)
बी-21/4, महानन्दा नगर, उज्जैन (म.प्र.)-456010

आप हृदय रोगियों की न्यूनतम फीस लेकर निर्धन लोगों का नि:शुल्क इलाज उज्जैन म.प्र. में करते हैं। आपकी पत्नी श्रीमती रेणु कुमावत व्याख्याता है जो वरिष्ठ आर्किटेक्ट श्री भवानी शंकर वर्मा (तोंदवाल) निवासी जयपुर की पुत्री हैं। आपकी पुत्री डॉ. पांखुड़ी BDS तथा दामाद श्री सुरेश शेनवी MDS है। आपके पुत्र डॉ. पर्व कुमावत MBBS है जो अभी पी.जी. की तैयारी कर रहे हैं। आपका सरल व्यक्तित्व एवं मधुर स्वभाव सभी को आकृष्ट करता है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके व आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत का 50वां जन्मदिवस मनाया

टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक, समाजसेवी, भामाशाह व भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता चेतन कुमावत का 50वां जन्मदिवस खोले के हनुमानजी मंदिर में 2 नवम्बर को मनाया गया। इस अवसर पर टीम चेतन धुंधारिया द्वारा चेतन कुमावत को साफा–माला पहनाकर व पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया तथा केक कटवाकर मुँह मीठा करवाया गया। इस अवसर पर एक स्नेह भोज का आयोजन किया गया। स्नेह भोज में अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए तथा चेतन कुमावत को शुभकामनाएँ दी।

'कुमावत इंडिया' परिवार की ओर से रमेश गैदर अध्यक्ष, सी.एम. बडीवाल, हेमचंद खडगटा, चेतन बालोदिया, भारती वर्मा ट्रस्टीयों ने समाजसेवी व भामाशाह चेतन कुमावत को माला पहनाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएँ दी। इस अवसर रमेश गैदर ने श्री चेतन कुमावत को सरल स्वाभाव, मृदुभाषी, परिश्रमी तथा युवाओं के प्रेरणास्त्रोत बताया। इनकी टीम ने कोरोनाकाल में अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों की सेवा की। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से चेतन कुमावत के दीर्घायु होने की कामना की। श्री सी.एम. बड़ीवाल ने चेतन कुमावत को ऊर्जावान, जुझारू तथा समाजसेवी बताया।

कार्यक्रम में माननीय रामचरण बोहरा सांसद जयपुर शहर, माननीय अरूण चतुर्वर्दी पूर्व विधायक सिविल लाईंस, मोहन लाल गुप्ता पूर्व प्रथम महापौर जयपुर एवं विधायक किशनपोल विधानसभा, राघव शर्मा शहर अध्यक्ष भाजपा, विमल कुमावत पूर्व उपमहापौर व शहर उपाध्यक्ष भाजपा, माननीय चन्द्रशेखर जी संगठन महामंत्री भाजपा, सुनील कुमावत सह संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ भाजपा, सोमकांतजी संयोजक विशेष सम्पर्क प्रदेश भाजपा, नीरज कुमावत सह सचिव पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समिति, विशालजी जयपुर विभाग प्रचारक, सुदामाजी क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख, राकेशजी सह संयोजक बजरंग दल जयपुर शहर, महेन्द्र यादव प्रदेश महामंत्री ओबीसी मोर्चा, सुनील गहलोत प्रदेश मंत्री ओबीसी मोर्चा, श्यामप्रताप सिंह राठौड सरपंच ग्राम जाहोता ने शिरकत की साथ ही समाज के गणमान्यबंधु अर्जुन लाल कुमावत, रमेश तोंदवाल, टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल, खेमचंद खडगटा, महेश जलान्धरा, राकेश कुमावत एडवोकेट, शंकरलाल बालोदिया, विजय कारगवाल, रेणु कुमावत, श्रवण कुमावत, तनुज कुमावत, ओमप्रकाश के अलावा कुमावत समाज के अनेक प्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

साइबर सिक्योरिटी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता

राजकुमार कुमावत पुत्र श्री भंवरलाल कुमावत निवासी उगरियावास, जयपुर को भारत सरकार के कौशल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित साइबर सिक्योरिटी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल मिलने पर **कुमावत इंडिया पत्रिका** की ओर से हार्दिक बधाई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिकार के रिंकू कुमावत जिलाध्यक्ष बने

जयपुर के ऊर्जावान युवा रिंकू कुमावत को राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिकार के जयपुर जिलाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। श्री रिंकू ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा करना उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा व समाज के शोषित एवं वंचित लोगों को न्याय दिलाने उनकी प्राथमिकता होगी।

कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से रिंकू कुमावत को राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिकार के जयपुर जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर बधाई।

सुनील कुमावत को भाजपा ने बस्सी विधानसभा प्रवासी नियुक्त किया

टीम चेतन धुंधारिया व कुमावत इंडिया पत्रिका द्वारा स्वागत

श्री सुनील कुमावत प्रदेश सह संयोजक, सहकारिता प्रकोष्ठ राजस्थान को भाजपा ने बस्सी विधानसभा प्रवासी नियुक्त किया है। कुमावत पिछले 32 वर्षों से भाजपा से जुड़े हुए हैं। कुमावत पूर्व में महामंत्री जयपुर शहर, युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री ओबीसी, राजस्थान जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। पार्टी ने एक बार पुन: श्री सुनील कुमावत पर विश्वास जताते हुए उनकी कार्यकुशलता, सादगी और पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने पर यह महत्ती जिम्मेदारी सौंपी है।

इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर एवं टीम चेतन धुंधारिया के सदस्य ने उनके निवास पहुंचकर श्री सुनील कुमावत को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी तथा माल्यार्पण व पुष्पगुच्छ देकर अभिनन्दन किया।

श्री सुनील कुमावत ने टीम चेतन धुंधारिया द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की तथा पूरी टीम को साधुवाद दिया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जब भी आवश्यकता होगी वे टीम के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के लिए कहा कि मुश्किल हालातों का सामना करते हुए अल्पसमय में ही समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और आशा व्यक्त की कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका शीघ्र ही पूरे भारतवर्ष में अपनी एक अलग पहचान स्थापित करेगी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर ने कहा कि सुनील कुमावत की कार्य करने की शैली के कारण ही भारतीय जनता पार्टी ने उनको यह कमान सौंपी हैं।

टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने कहा कि सुनील कुमावत सामाजिक कार्यकर्त्ता, सरल स्वभाव, कर्मठ, जुझारू, युवा व ऊर्जावान व्यक्ति है। भाजपा ने जो दायित्व सुनील कुमावत सौंपा है उसे पूर्णकर भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचायेंगे।

इस अवसर पर पूर्व उपमहापौर व जयपुर शहर उपाध्यक्ष भाजपा विमल कुमावत, जयसिंह कुमावत भाजपा अध्यक्ष वार्ड 141 मालवीय नगर, राकेश कुमावत एडवोकेट, विजय कारगवाल, राकेश मरोडिया व खेमचंद खडगटा उपस्थित थे।

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकतनगर, टोंक फाटक का शपथ ग्रहण

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर टोंक फाटक क्षेत्र जयपुर के द्विवार्षिक चुनाव-2021 में विजयी उम्मीदवारों का शपथ ग्रहण समारोह नितिन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बरकत नगर, जयपुर में 17 नवम्बर, 2021 को हुआ। इसमें अध्यक्ष श्री बाबूलाल ब्याड़वाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह राजोरिया, उपाध्यक्ष (महिला) श्रीमती नीतू गैदर, मंत्री श्री रामप्रकाश मारवाल, कोषाध्यक्ष श्री देवीनारायण बबेरीवाल सहित सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी को चुनाव अधिकारी श्री रामगोपाल नीमिवाल द्वारा शपथ दिलाई गई। नवीन कार्यकारिणी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

श्रद्धांजलि

पूजनीय

श्रीमती प्रभाती देवी

(पत्नी स्व. श्री ग्यारसीराम जी गैदर)

प्रथम पुण्य तिथि

दिनांक 3 दिसम्बर, 2021 पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधू : दिनेश कुमार-मुन्नी, बाबूलाल-विमला, खेमचन्द-लोकेश, दामोदर प्रसाद-भगवती, दौलतराम-किरण, राजकुमार-तेजल पुत्री-दामाद: भंवरीदेवी-नाथूरामजी, गैंदी-स्व. सुवालालजी, मीरा-स्व.रामकिशोरजी, मुन्नी-रामावतारजी पौत्र-पौत्रवधू : राकेश-मंजू, गोपाल-मनीषा, जितेन्द्र-टीना, लेखराज-कोमल, प्रकाश-प्रिया, परम पौत्री-पौत्रीदामाद : सुमन-नेमीचन्दजी, अनीता-सुरेन्द्रजी, संतोष-महेन्द्रजी, रेखा-राजेशजी, शीला-रामावतारजी, विनीता-निरंजनजी, मीनू-रमेशजी, प्रियंका-विवेकजी, लक्षिता-नरेन्द्रजी, अंजू-सुमितजी, ज्योति-विकासजी, चंचल पड़पौत्री एवं पड़पौत्र : पलक, युवरानी, पीयूष, गुलशन, गिन्नी एवं समस्त गैदर परिवार

20, विनोबा बस्ती, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018